RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-04, अंक-24 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 17 मार्च 2022 | पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

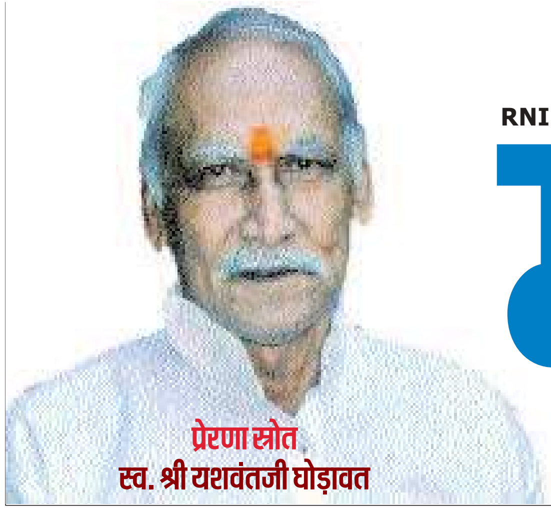

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

सुविचार

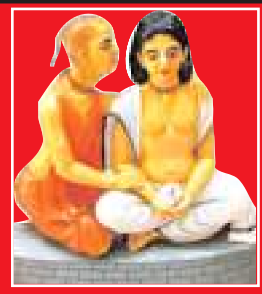

भावनाहीन लोग ईश्वर से कोसों दूर रहते हैं...
चैतन्य महाप्रभु

बच्चों की खेल सामग्री में सप्लायरों का बड़ा खेल...

मामला: 15 लाख की घटिया सामग्री का भाजपाई सप्लायरों ने डेढ़ करोड़ के बिल बनाकर बच्चों के हक पर डाला डाका

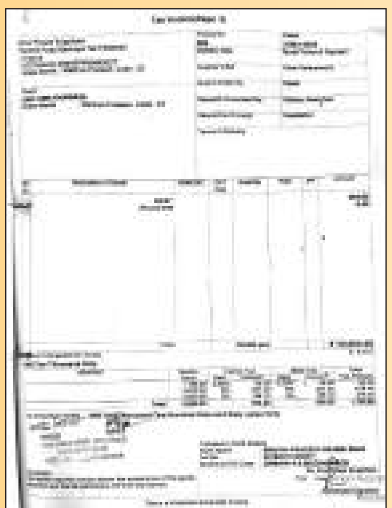

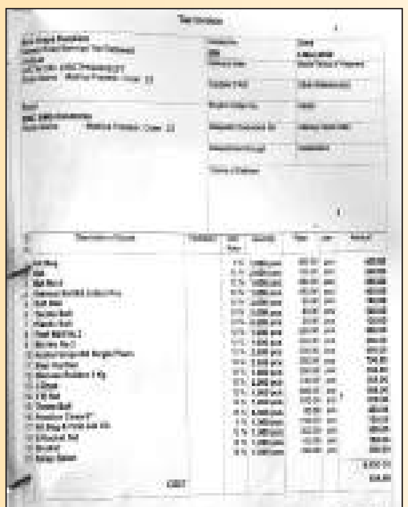

मीडिल स्कूल में दी जाने वाली सामग्री का फर्जी बिल 10 हजार रूपये का, अणु कृपा सप्लायर्स प्रोपराइटर लोकेन्द्र कटकानी बामनिया

10 हजार में दी जाने वाली घटिया सामग्री

5 हजार में दी जाने वाली घटिया सामग्री

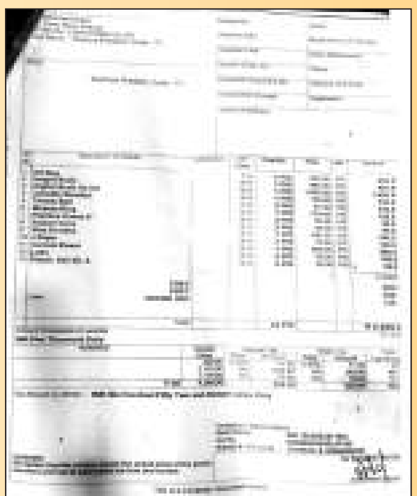

प्राथमिक शाला में सप्लाई का 5 हजार का फर्जी बिल, सुरजमल एण्ड सन्स प्रोपराइटर अचल कटकानी झाबुआ

माही की गूंज, संजय भटेवरा

पिछले कई वर्षो से प्रदेश की सत्ता में काबिज भाजपा के नेता और कार्यकर्ता अब भ्रष्टाचार के नित नए कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। अब भाजपा के मंडल स्तर के नेता और कार्यकर्ता भी सप्लायर और ठेकेदार बनकर सरकारी योजना में जमकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं। चाहे गांव की गलियों की सड़क हो... छोटा-मोटा निर्माण कार्य हो... या फिर शौचालय निर्माण हो... छात्र-छात्राओं को दी जाने वाली गणवेश हो हर जगह से नेतागण अपनी गोटी बिठाकर किसी न किसी नाम पर कार्य कर अपना उल्लू सीधा कर लेते हैं। सबसे बड़ी हैरानी की बात तो यह है कि, यहां पर दाल में काला नहीं पूरी दाल ही काली होने की कहावत चरितार्थ हो रही है। अधिकारी ऊपरी दबाव का बहाना बनाकर अपने कर्तव्य से पल्ला झाड़ रहे हैं, वही नेतागण अपनी हिस्सेदारी पाकर आंख मूंद कर बैठे हैं। सबसे ज्यादा आश्चर्य मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के रवैये को लेकर है, वो लोकतंत्र में अपना मूल कर्तव्य ÷विरोध÷ नहीं कर पा रहे हैं, शायद उनका मोन समर्थन भी भाजपा नेताओं को है इसलिए पूरे मामले को लेकर कहीं कोई विरोध नहीं है।

ताजा मामला जिले की प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में क्रमशः 5 हज़ार और 10 हज़ार की खेल सामग्री का है। जिसका खुलासा मीडिया में होने के बाद अफसर जांच की औपचारिकता का दिखावा कर रहे हैं और सप्लायरों की सप्लाई बेख़ौफ जारी है।

क्या है पूरा मामला

प्राथमिक शाला में 5 हज़ार और माध्यमिक शाला में 10 हज़ार की राशि खेल सामग्री क्रय हेतु शाला प्रबंधन समिति के खाते में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी की जाती है। किंतु पिछले वर्ष राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा शाला प्रबंधन समिति के खातों को बंद कर उनकी जगह पर शाला प्रबंधन समिति समग्र शिक्षा के नाम से खाते खोले जाने के आदेश जारी किए गए थे। किंतु कुछ तकनीकी कारणों से सभी शालाओं के खाते समग्र शिक्षा के नाम से नहीं खोले जा सके, जिसकी वजह से सभी खातों में राशि अंतरित नहीं की जा सकी। जिसके बाद राज्य शिक्षा केंद्र ने अपने बीआरसी के खाते के माध्यम से राशि खर्च करने की अनुमति दी। यह खबर सप्लायरो को लगते ही सप्लायर सक्रिय हो गए और उन्होंने नेताओं के माध्यम से सेटिंग बिठाना चालू की और पूरे जिले की सभी माध्यमिक और प्राथमिक शालाओं में खेल सामग्री वितरित करने का ठेका प्राप्त कर लिया। किसी को शक ना हो इसलिए अलग-अलग ब्लाक अनुसार दो-तीन फर्म के नाम से बिल बनाकर स्कूलों में सामग्री भेज दी गई।

माही की गूंज की पड़ताल के अनुसार पूरे जिले में एक जैसी सामग्री और एक जैसा बिल दिया गया है। यही नहीं जो सप्लायर सामग्री शालाओं में भेज रहे हैं उनका धंधा ही यह नहीं है। अन्य धंधा करने वाले खेल सामग्री के नाम पर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इस पूरे मामले में अधिकारियों का भी समर्थन इन सप्लायरो को प्राप्त है। कार्यालय से उन्हें स्कूलों की जानकारी दी जा रही है और सप्लायर स्कूल में पहुंचकर अधिकारियों के नाम पर व प्रभारी मंत्री तक का प्रभाव बताकर जबरन शिक्षक से हस्ताक्षर करवाकर सामग्री दे कर पावती ले रहे। कुछ जगह पर विवाद की स्थिति बनने पर अधिकारियों से फोन पर बात करवाई जा रही है। मजबूर शिक्षकों को 5 हजार की जगह 7-8 सौ रूपये व 10 हजार की जगह 12-13 सौ की घटिया सामग्री लेने को मजबूर होना पड़ रहा है।

क्या है 5 हज़ार का सामान

जिस सामग्री को 5 हजार और 10 हजार का बतलाकर शिक्षकों को जबरन दिया जा रहा है, जानकारों के अनुसार वास्तविक कीमत उसकी बहुत ही कम है लेकिन बिल के अनुसार 1 कीट बेग 460, 1 हाईट स्केल 460, 1 डिजिटल स्केल डीएस डीटु 1650, 1 जेवलिंन वुडन (भाला), 2 टेनिस बॉल 102, 1 मोंटेक्स रिंग 120, 3 प्रेक्टिस कोंस छः इंची 90 , 3 स्क्रेवयर कोन 90, 1 स्टेप हर्डलस 240, 2 जे रोपस 140, 1 केरम बोंड 650, 3 लूडो 150, 3 प्लास्टीक बॉल 66 रूपये, जीएसटी अलग से कुल 5 हजार की सामग्री है।

माध्यमिक शाला में 10 हज़ार की सामग्री

1 कीट बेग460, 2 प्लास्टीक बेट 240, 1 बेट 490, 1प्लास्टीक स्टेंप सेट450, 3 साफ्ट बॉल रबड 180, 3 टेनिस बॉल 240, 6 पलास्टीक बॉल 120 , 1 फुटबॉल 650, 1 बास्केट बॉल 550, 2 हुला हुप्स (कमर से घुमाने वाली रिंग) 600, 2 स्टेप हर्डलस 700, 1 डिसकस रबड़ एक किलो 350, 2 जे रोप्स 260, 1 वाली बॉल नेट 680, 1 थ्रो बॉल 970, 6 प्रेक्टिस काईसं छः इंची 480, 1 फर्स्ट ऐड कीट 720, 1 रेकेट सेट 300, 1 शटल 150, 1 रिले बैटन 300 रूपये जिसमें जीएसटी अलग से कुल 10 हजार की सामग्री है। सामग्री के मुल्य व गुणवत्ता का हम आकलन हम एक प्लास्टीक बॉल के अनुसार ही लगाए तो जो बॉल होलसेल में 30 से 33 रूपये में प्रति दर्जन मिलती है जो बाजार में छोटे से छोटा दुकानदार भी अधिकतम 5 रूपये प्रति 1 बॉल बेचता है उसकी किमत 20 रूपये प्रति बॉल जिसमें जीएसटी भी अलग ली गई है। वही बिल में दशाई सामग्री अनुसार भी पुरी सामग्री नही है। इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि, इस प्रकार की सामग्री से खेल कर देश के नवनिहाल कहां तक पहुंच सकते हैं। मिडिल स्कूल के बच्चे प्लास्टिक के बैट से क्रिकेट खेलेंगे और प्लास्टिक के बैट बॉल से चोट लगने पर सप्लायर द्वारा दी गई मेडिकल किट का उपयोग कर ठीक होकर पुनः खेलेंगे...? हॉ हॉ हॉ हॉ.... यह महज हास्यप्रद ही है पर सरकार व उसके नुमाईदो को यह नही दिखाई दे रहा है...?

क्या ऐसे ही फिट इंडिया की कल्पना देश के प्रधानमंत्री मोदी जी कर रहे हैं...?

खेलेगा इंडिया तभी तो आगे बढ़ेगा इंडिया

क्या ऐसे सामान से खेल कर आगे बढ़ेगा इंडिया...?

सप्लायरकर्ता की मुंह जुबानी...

भाजपा मंडल अध्यक्ष के रुपयों से घटिया सामग्री वितरित

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपने एक बयान में कहा था, केंद्र से 1 रुपया जाता है तो जमीनी स्तर पर 15 पैसे पहुंचते हैं। वही भ्रष्टाचार को खत्म करने की शपथ लेकर केंद्र की सत्ता में आई भाजपा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान में राजीव गांधी के बयान का कटाक्ष के साथ कहा गया, हमारी सरकार केंद्र से 1 रुपया भेजती है तो पूरे के पूरे 100 पैसे विकास के लिए पहुंचते हैं। पर नरेंद्र मोदी की कही बात असल में धरातल पर नहीं दिख रही और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की बात आज भी केंद्र में मोदी व प्रदेश में शिवराज की सरकार में सत्य साबित हो रही है। जो भाजपा के ही नुमाइंदे भाजपा सरकार के बलबूते पर देश के भविष्य कहे जाने वाले विद्यार्थियों का हक भी छीनकर बिना किसी भय के खुलेआम डाका डाल भ्रष्टाचार करने में कोई चूक नहीं कर रहे है। नतीजन सर्व शिक्षा अभियान के तहत केंद्र सरकार ने विद्यार्थियों के खेलकूद के साथ उनकी विकास वृद्धि के लिए दी गई राशि में उनकी ही पार्टी के भ्रष्ट रूपी नेता गिद्ध की तरह अपना पैर जमाकर आ.जा. बाहुल्य झाबुआ जिले में किस तरह से भ्रष्टाचार कर रहे हैं का खुलासा एक बार फिर हो गया है। जिसमें सप्लायरकर्ता भी आमजन को अपनी मुंह जुबानी के साथ खुले रूप से भ्रष्टाचार का खुलासा कर रहे हैं।

उक्त मामले में माही की गूंज के पास दो सप्लायरकर्ता के बिल फिलहाल सामने आए हैं जिसमें अणु कृपा सप्लायर्स बामनिया का प्रोपराइटर लोकेंद्र कटकानी व सूरजमल एंड संस आजाद मार्ग झाबुआ का प्रोपराइटर अचल कुमार कटकानी जिनका मूल व्यवसाय एक का कपड़े का तो दूसरे का बर्तन का है।

कहने को दो अलग-अलग सप्लायर हैं परंतु सत्ताधिशो के संरक्षण में एक ही गुट के साथ जिले की 2 हजार 4 सौ से ज्यादा स्कूलों में करीब डेढ़ करोड़ की घटिया खेल सामग्री बिल के अनुसार सप्लाई की गई।

मामले में बामनिया का सप्लायर लोकेंद्र कटकानी अपने कपड़े की दुकान पर उधारी या कोई बाकी के रुपए मांगने जाता है, तो उस व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से कह रहा है, जिले में 15 लाख रुपए की कुल खेल सामग्री सप्लाई की है और मैंने पेटलावद मंडल अध्यक्ष सोनू मांडोत व उसके पिता सैनिक सेठ से रुपया भी सप्लाई के लिए लिया है। मैं सुबह से पेटलावद, थांदला, मेघनगर, झाबुआ आदि जगह जाता हूं और बीआरसी कार्यालय से राशि प्रतिदिन निकलवा रहा हूं। उक्त सप्लायर्स की मुंह जुबानी से स्पष्ट होता है कि, जिले में जो करीब डेढ़ करोड़ के बिल के साथ सप्लाई की गई सामग्री महज 15 लाख की होकर पेटलावद भाजपाई मंडल अध्यक्ष व बड़े नेताओं के संरक्षण के साथ भ्रष्टाचार किया गया है। वही जाच का ढकोसला कर प्रतिदिन सप्लायर्स की राशि भी बीआरसी के माध्यम से दी जा रही है।

इस संबंध में जब पेटलावद मंडल अध्यक्ष सोनु मांडोत से बात करना चाही तो कभी कहता है मैं थोडी देर में फोन कर पुरी बात करता हु, तो कभी नेटवर्क खराबी बताकर बात नही की । जिससे साफहोता है कि, उक्त मामले में कोई जवाब स्कूल में सप्लाई की गई घटिया सामग्री व भ्रष्टाचार में सहयोगी मंडल अध्यक्ष सोनु मांडोत के पास नही है।

खेल सामग्री सप्लाई मामले में निष्ठावान भाजपा मंडल अध्यक्ष कर रहे भ्रष्टाचार उजागर

भाजपा कार्यकर्ता ने सामग्री को एक नजर में देखकर ही बता दिया घटिया, सोशल मीडिया पर फ़ोटो सहित पोस्ट कर लगाए गम्भीर आरोप।

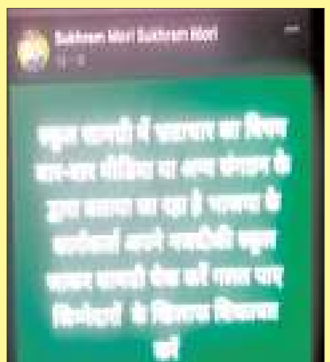

सारंगी भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री मोरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कार्यकर्ताओ को सामग्री जांच करने का आह्वान किया।

रात के अधेरे में एसडीएम साहब अपने काफिले के साथ घटिया सामग्री की जाच करने पहुचे स्कूलो में।

मेघनगर विकास खण्ड की स्कूलो में डीपीसी रालुसिंग सिगाड़ टीम के साथ घटिया सामग्री की जांच करने हेतु पहुचे।

जिले में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल में सप्लाई की जा रही 5 और 10 हजार रुपये की घटिया सामग्री का मामला अब भाजपा के लिए गले की हड्डी बन गया है, मीडिया के माध्यम से उठा मुद्दा अब विधानसभा की गलियों तक पहुँचने वाला है । सामग्री सप्लाई में लगातार हो रही किरकिरी से क्षेत्र के भाजपा नेताओं ने भी अब अपनी जमीन बचाने के लिए हाथ खींचना शुरू कर दिए हैं। वही मामले में कलेक्टर के द्वारा दिये गए जांच के आदेश के बाद भी अनाधिकृत रूप से खेल सामग्री के नाम पर प्लास्टिक के खिलौने सप्लाई करने का काम जारी है और भुगतान की प्रोसेस भी जारी है। मिली जानकारी के अनुसार पेटलावद विकास खण्ड की कई स्कूलों का भुगतान भी अणु कृपा सप्लायर्स के नाम से किया जा रहा है। खेल सामग्री की बंदरबांट में हर कोई शामिल लग रहा है जिसके चलते अब तक मामले को जांच के नाम पर गुमराह कर उसकी आड़ में सप्लाई का कार्य जारी है।

सारंगी मंडल अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर की पोस्ट, रायपुरिया मण्डल अध्यक्ष ने कहा पार्टी की छवि हो रही खराब

घटिया खेल सामग्री सप्लाई के मामले में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और जमीनी कार्यकर्ता बुरी तरह भड़के हुए है जो अपने स्तर पर कही न कही अपने स्तर पर विरोध दर्ज करवा रहे हैं। सारंगी मंडल के अध्यक्ष सुखराम मोरी ने लगातार मिल रही शिकायतो के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कार्यकर्ताओ से आह्वान कर सप्लाई की जारही सामग्री की जाँच करने का कह दिया। जिसके बाद कई स्कूलों में भाजपा के कार्यकर्ताओ ने खुद पहुँच कर सामग्री की जांच कर उसके घटिया और मात्र 1000-12 सौ की सामग्री होना बताकर खुली पोस्ट कर रहे है। कई कार्यकर्ताओ ने भाजपा के ग्रुपों में खेल सामग्री को घटिया बताकर सवाल उठाये। सारंगी के भाजपा मंडल अध्यक्ष ने कहा कि, खराब सामग्री की लगातार जानकारी आ रही है, मेरे गाँव की स्कूलों में फिलहाल कोई सामग्री नही आई है लेकिन कार्यकर्ताओ ने मुझे खराब सामग्री की जानकारी दी है, मैं सारंगी भगोरिया के बाद जिला अधिकारी से इस विषय मे लिखित शिकायत करूंगा कहा। वही रायपुरिया मंडल अध्यक्ष शांतिलाल मुणिया ने गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा कि, इस कार्य से पार्टी की छवि धूमिल हुई है और आने वाले चुनाव में नुकसान हो सकता है। खेल सामग्री में घटिया सामग्री वितरण का मामला जानकारी में आया है, जिसकी जल्द ही शिकायत करूंगा। भाजपा के जिला महामंत्री कृष्णपाल सिंह ने इस विषय मे कहा कि, अगर घटिया सामग्री वितरण की जा रही है तो प्रशासन को इस पर कार्रवाई करना चाहिए। सोशल मीडिया पर खुली पोस्ट ओर मीडिया में लगातार उठ रहे मुद्दे को अनदेखा करते हुए महामंत्री ने कहा कि, मैने अभी किसी स्कूल का दौरा नही किया है और कार्यकर्त्ताओ ने ऐसी कोई जानकारी नही दी है।हमारे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सप्लाई के इस खेल में भाजपा महामंत्री और पेटलावद मंडल अध्यक्ष भी शामिल हैं क्योंकि जिस फर्म से समान सप्लाई किया जा रहा है वो बामनिया की है और मंडल अध्यक्ष के करीबी की ही है।

जयस जिलाध्यक्ष विजय डामोर ने दी आंदोलन की चेतावनी

आदिवासी संगठन जयस के जिलाध्यक्ष विजय डामोर ने कहा है कि, आदिवासी बच्चों की खेल सामग्री सप्लायर और अधिकारी जनप्रतिनिधि मिलकर फर्जी बिल लगाकर पेमेंट निकाल लिया है। जब सामान बिना सप्लाई किए बिल पास करवा लिए झाबुआ जिले में खेल सामग्री के जो कीट खेल सामान दिए है वह 5 हजार का भी नहीं है लेकिन सप्लायर उसके पास 5 हजार व 10 हजार रुपये के बिल लगा कर राषि आहरण कर रहै है। जयस ने विरोध किया तब झाबुआ कलेक्टर ने जांच के आदेश दिया है । निष्पक्ष जांचक र कार्रवाई नही होने पर सप्लायर्स व इससे जुडे जो अधिकारी व नेता है उनके विरूद्ध माननीय मुख्यमंत्री के पास जाएगें तथा विधानसभा में प्रश्न लगवाएंगे की बात जयस पदाधिकारी कह रहै है।

सेटिंग के लिए घूम रहै सप्लायरों के दल्ले, कहा भुगतान तो हो कर रहेगा , विधायक मैडा ने कहा विधानसभा में उठाउंगा प्रश्न

मामला उछलने के बाद सप्लायरों के दल्ले, मुद्दे को उठाने वालों के पास भेज कर लेंन-देन कर मामला शांत करने की कोशिश कर रहे है। साथ ही ये भी कह रहे है कि, सब का कमीशन है भुगतान कोई नही रोक सकता । पेटलावद कांग्रेस विधायक वालसिंह मैडा ने कहा कि, स्कूलों में दी जाने वाली खेल सामग्री में गड़बड़ी की जा रही है और भाजपा के नेता सामग्री सप्लाई कर भ्रष्टाचार कर रहे है। मामले कीं जांच जिला कलेक्टर नही करगें तो इस मामले को विधानसभा में उठा कर इस पर चर्चा करने की मांग करूंगा। साथ ही मेरी और से एक 05 सदस्यी जांच कमेटी का गठन करूंगा जो विधानसभा क्षेत्र की स्कूलों में जा कर सामग्री की जांच करेगी ।

रात में निकला राजस्व अमला, स्कूलों में जा कर की जांच

लगातार शिकायतो के बाद मामला भोपाल के बड़े अधिकारी तक पहुँच गया। वही मंगलवार को मुख्यमंत्री भी जिले में ही थे, देर शाम मुख्यमंत्री की रवानगी के बाद पेटलावद, मेघनगर, थांदला आदि विकास खण्ड का राजस्व अमला देर रात में पूरी टीम के साथ स्कूलों में खरीदी गई सामग्री की जांच के लिए निकल पड़े। पेटलावद में खुद एसडीएम गेमावत अमले का नेतृत्व करते हुए पेटलावद की प्राथमिक और मिडिल स्कूल पहुँच कर सामग्री की जांच की। इसके बाद रायपुरिया पहुँच कर वहां भी सामग्री की जांच की । वही मेघनगर विकासखण्ड में डीपीसी रालुसिंग सिगाड़ घटिया सामग्री की जांच हेतु पहुचे जब मिडिया ने सवाल किये तो डीपीसी ने बताया कलेक्टर के निर्देश पर स्कूलो मे सप्लाई हुई सामग्री की जांच हेतु जा रहे है। मिली जानकारी के अनुसार अधिकारी का दल रात में कई स्कूलों में पहुँचा, जिन स्कूलों पर दल को जाना था वहां के शिक्षको को रात में स्कूल पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। बताया जा रहा है कि, टीम ने सामग्री की जांच कर उसका पंचनामा भी बनाया और सामग्री खरीदी के लिए की गई प्रोसेडिंग की भी जाँच की ।

संस्था प्रमुखों पर गिरेगी गाज

खेल सामग्री सप्लाई का पूरा खेल शिक्षको के कंधे पर बंदूक रख कर खेला जा रहा है। सप्लायर राजनीतिक दबाव बना कर न केवल हर संस्था में सामग्री छोड़ कर आ गए, बल्कि भुगतान के लिए जरूरी प्रोसेस करने के लिए शिक्षको पर भारी दबाव बनाया जिसके बाद संस्था प्रमुखों ने पालक शिक्षक संघ की बैठक कर सामग्री सहमति और उसका भौतिक सत्यापन करवाया जा रहा है , जिससे पूरी जिम्मेदारी संस्था के प्रमुख की बन जाती है। ऐसे में जांच में सामग्री घटिया मिलती है तो पहली गाज शिक्षक पर गिरनी तय है। साथ ही जन शिक्षक और भुगतान करने के लिए तय की गई एजेंसी बीआरसी के अधिकारी पर कार्यवाही हो सकती हैं।

ये कैसा झाबुआ उत्सव... ?

माही की गूंज, झाबुआ

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के अनुसार सभी जिले और शहरों का जन्मदिन मनाया जाना चाहिए, ये विचार उन्होंने अपने जन्मदिन पर व्यक्त किए। फिर क्या था, सभी जिला और शहरी क्षेत्र के बुद्धिजीवियों, राजनीतिज्ञों ने अपने-अपने क्षेत्र के जन्मदिन की खोज प्रारंभ की और झाबुआ का जन्मदिन 10 मार्च को मनाए जाने का प्रस्ताव पारित किया था। आनन-फानन में सभी तैयारी पूर्ण की गई और जन्मदिन को उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। समिति बनाई गई जिसमें जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवियो के साथ गणमान्य लोगों को शामिल किया गया। शासन स्तर से लिए गए निर्णय जमीनी हकीकत पर कितने कारगर होते हैं, झाबुआ उत्सव इसका एक उदाहरण है। मुख्यमंत्री की मंशानुसार यह उत्सव जनता की भागीदारी के साथ मनाया जाना था, लेकिन यह उत्सव आम सरकारी कार्यक्रमों की तरह मनाया गया। जिसमें गिनती के जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक शामिल हुए, आम जनता जिन्हें इस उत्सव में जुड़ना था नहीं जुड़ पाए।

झाबुआ जिले का पहला उत्सव ही विवादों व मतभेदों के चलते विवादित रूप से सरकारी कार्यक्रम बनकर संपन्न हुआ।

क्या था विवाद

कार्यक्रम के लिए आमंत्रण पत्र छपवाए गए थे उसमें जिले के सांसद व विधायकों के नाम ही नहीं छपवाए गए। विवाद भोपाल स्तर तक पहुंचा... अंदर की खबरों के अनुसार कलेक्टर को तलब किया गया कि, सरकारी प्रोटोकाल का पालन क्यों नहीं किया गया तो, कलेक्टर ने तर्क दिया कि, अगर सांसद का नाम छपवाया जाता तो विधायक जो कि कांग्रेसी है उनका नाम भी छपवाना पड़ता इसलिए किसी का भी नाम नहीं छपवाया गया। कलेक्टर के इस तर्क से सरकार कितनी सहमत हुई है इसका पता तो आने वाले समय में चलेगा। लेकिन विवादों से शुरू हुआ कार्यक्रम विवादित ही रहा और विवाद के साथ ही खत्म हुआ। दुसरा विवाद प्रशासन द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में एक कवि द्वारा की जा रही कविता पाठ को लेकर हुआ, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और आयोजन समिति से जुड़े एक पदाधिकारी के बीच हुआ, जिसमें जमकर तु-तु ,मैं-मैं हुई और भाजपा जिलाध्यक्ष को बीच-बचाव में आना पड़ा। इस प्रकार जिले का पहला जन्मदिनोत्सव विवादों के साथ शुरू होकर विवाद के साथ ही मात्र सरकारी कार्यक्रम बन कर संपन्न हुआ, जिसमें न तो आम जनता जुड़ पाई और न ही आम जनता को कोई फायदा हुआ।

पर उक्त प्रंथम उत्सव में प्रशासन की उपस्थिती व कार्य कथनी में जो भी सार्वजनिक रूप से जिस तरह से भाजपाई जिला स्तरीय नेता आपसी मन भेद के साथ विवाद के अखाडे में उतर कर जो भी हुआ उससे मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा भी धुमील हो कर जिले के भाजपाई नेताओ की जो किर-किरी हुई है वह चुल्लू भर पानी में जाकर डुब मरने जैसी ही है।

भाजपा सहित दूसरे हिन्दू संगठन रहे नदारत

माही की गूंज, पेटलावद

सोमवार को भगोरिया हाट के दिन कांग्रेस और जयस संगठन द्वारा भगोरिया गैर का आयोजन किया गया कांग्रेस विधायक वालसिंह मैडा के नेतृत्व में बड़ा भारी आयोजन किया गया लेकिन

सत्ता में बैठी भाजपा के नेताओ ने सोमवार को हाट बाजार के दिन भगोरिया में अपनी उपस्थिति दर्ज नही कराई जो भाजपा के लिए भारी किरकिरी का विषय बन गया है , भाजपा ही नही भाजपा से जुड़े दूसरे हिन्दू संगठन भी इस बार नगर में कोई आयोजन नही कर सके , पेटलावद मण्डल अध्यक्ष की निष्क्रियता के चलते यहां कोई आयोजन सम्भव नही हो पाया जिससे कार्यकर्ताओ में भी नाराजगी देखी गई । वही पेटलावद की बात की जाए तो अकेले पेटलावद विकास खण्ड से भाजपा के अलग अलग मोर्चे के तीन जिलाध्यक्ष आते हैं जिसमे में से दो तो नगर में ही फिर भी कोई आयोजन भाजपा के बैनर पर नही दिखा । भाजपा के पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष सौनु विश्वकर्मा , अजा मोर्चे के जगदीश जाटव और अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजमेर सिंह भूरिया तीनो पेटलावद विकास खण्ड से है वही युवा मोर्चा से भी अभी अभी मंडल नियुक्तिया हुई लेकिन युवा मोर्चा से भी कोई आयोजन नही हुवा । भगोरिया के दौरान भाजपा नेता मुह छुपाते देखे गए।

भगोरिया में कांग्रेस और जयस संगठन ने निकाली गेर

ढोल मांदल की थाप पर थिरके विधायक

भाजपा के तीन मोर्चे के जिलाध्यक्ष और मडंल अध्यक्ष होने के बाद भगोरिया में भाजपा रही नदारद

माही की गूंज ,पेटलावद

नगर में सोमवार को विधायक वालसिंह मेडा के नेतृत्व में ढोल मांदल के साथ ड्रेस कोड में प्रची वाघ यंत्रो के साथ झूमते बालक- बालिकाओं के उत्साह ने नगर के नागरिकों को भी झूमने पर मजबूर कर दिया। तहसील कार्यालय के समीप से सेक्टर से लगभग 30 ढोल ताशों के साथ निकली गेर में कई स्थानों पर विधायक वालसिंह मेडा ने ढोल मांदल के साथ भगोरिया नृत्य करते हुए सभी का उत्साह वर्धन किया। गेर में ठा. हनुमानसिंह डाबड़ी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश मुथा, मन्नालाल हामड़, विक्रम मेडा, दिनेश मेडा, आईदान पटेल, रवि पाटीदार ,जयराम भट्ट, सुरेश पाटीदा,र शैलू लाला, प्रभात श्रीवास्तव, जावेद लोधी ,भरत मुलेवा, जगदीश जानी, चंदू राठौड़ सहित अनेक कार्यकर्ता व सैकड़ों आदिवासी युवा बालक बालिकाये भगोरिया नृत्य करते हुए चल रहे थे। कांग्रेस की गैर नगर के मुख्य मार्गो से होकर निकली और शाम को तहसील कार्यालय के समीप समापन हुआ, जहां विधायक मेडा ने प्रथक प्रथक ढोल मांदल दलों का स्वागत किया आभार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश मुथा ने व्यक्त किया। जयस संगठन ने भी अपना अलग आयोजन भगोरिया की गैर सैकड़ो युवाओं के साथ नगर के थांदला रोड से होकर प्रमुख मार्गो से निकाल कर किया , जयस संगठन के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में डीजे और ढोल मांदल की थाप पर झूमते नजर आये ।

सीएम से सड़क किनारे लगने वाली मांस की दुकानो को हटाने के लिए लिखित पत्र दिया

माही की गूंज, थांदला

नगर के युवा भाजपा मोर्चा के नवागत महामन्त्री प्रांजल भंसाली ने थांदला नगर के मुख्य मार्गो से मांस, मटन, चिकन, अंडे की धड़ल्ले से चल रही दुकानों को हटाने के लिए एक पत्र मुख्यमंत्री को सौपा। भंसाली ने कहा यह मुद्दा एक व्यक्ति या एक समाज का नही है। वैसे देखा जाए तो इस समस्या से नगर परिषद के जिम्मेदार चाहते तो कब से निजात दिला सकते थे। पर नगर परिषद के नुमाईनदे नगर की समस्याओ से निजात दिलाने में रूचि नही लेकर सिर्फ भ्रष्टाचार कर कहा से चांदी काट सके पर ज्यादा ध्यान रखा है। भंसाली के उक्त प्रयास को हर वर्ग ने सराहा है।

प्रशासन की विस्फोटक मामले में बड़ी कार्यवाही में देखने को मिला दोहरा रवैया

विस्फोटक मामले में नगर परिषद ने ढहाया आरोपी का अतिक्रमण, पेटलावद ब्लास्ट में आखिर क्यों नहीं की गई ऐसी कार्रवाई

माही की गूंज, पेटलावद

शनिवार को नगर के चहल पहल वाले क्षेत्र कुम्हार मोहल्ले से अब्दुल मंसूरी के घर से मिले विस्फोटक सामग्री जिलेटिन रॉड और डिकोनेटर मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुवे आरोपित के माँ आमनाबी के मकान के एक हिस्से को तोड़ दिया, बुधवार को लगभग सुबह 11 बजे प्रशासन और नगर परिषद की टीम पुलिस बल के साथ आमनाबी के मकान के पीछे हिस्सा अतिक्रमण बता कर तोड़ दिया , कार्यवाही के दौरान बड़ी मात्रा में भीड़ जमा हो गई , शनिवार को विस्फोटक मिलने के बाद से ही प्रशासन इस मामले में आरोपित का मकान तोड़ कर फ़ोटो शेसन करने की तैयारी में था और लगातार आरोपित की माँ के नाम से सम्प्पति के दस्तावेज के लिए नोटिस नगर परिषद से जारी किए जा रहे हैं , हालांकि परिवार ने दस्तावेज नगर परिषद को दिए भी लेकिन मकान के एक हिस्से में लगभग 30 से 35 फिट अतिक्रमण पाया गया जो कि पहले से जजर्र अवस्था मे था उसे तोड़ दिया गया । भयानक ब्लास्ट त्रासदी से गुजर चुके पेटलावद के नगरवासी प्रशासन से सवाल कर रहे हैं कि आखिर क्यों पेटलावद में हुवे ब्लास्ट मामले में जिसमे 79 लोगो की जान चली गई थी इस प्रकार की कार्यवाही आरोपियों के साथ देखने को क्यो नही मिली। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान तहसीलदार जगदीश वर्मा, नायाब तहसीलदार अंसारी मेडम, थाना प्रभारी संजय रावत, हल्का पटवारी , गिरदावर, नगर परिषद सीएमओ सहित नगर परिषद का अमला मौजूद रहा ।

देखने मिला प्रशासन का दोहरा रवैया मिला , विस्फोटक सप्लाई करने वाले को नोटिस तक नही

इस मामले में प्रशासन से कही न कही दोहरा रवैया देखने को मिला जहा आरोपित के परिजनों को लगातार नोटिस देकर सम्प्पति के दस्तावेज मांगे जा रही थी वही लाइसेंसी गोबा निवासी दुलाखेड़ी जिससे अब्दुल मंसूरी ने विस्फोटक ख़रीदना बताया उसे गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया लेकिन अब्दुल की तरह गोबा की संपत्ति के लिए कोई नोटिस जारी नही किया जबकि गोबा का विस्फोटक का गोदाम 08 फरवरी से ही सील किया गया था ऐसे में गोबा कहा से विस्फोटक ला रहा था और किस किस को अवैध रूप से सप्लाई कर रहा था इसकी जानकारी न तो पुलिस और न ही प्रशासन ने दी , जप्त हुवा विस्फोटक गोबा के स्टॉक का उसी के द्वारा खरीदी गई फ़ेक्टरी का था या किसी ओर लाइसेंसी को किस अन्य फ़ेक्टरी से खरीदा गया इस पर भी जांच की जाती है या मामले को यही दबा दिया जाता है ये अभी देखना होगा। गोबा के द्वारा अवैध रूप से बेचे जा रहे विस्फोटक मामले में प्रशासन ने कोई हलचल नही दिखाई , बताया जा रहा गोबा के पीछे इस धंदे के बड़े लोगों का हाथ है जो इनके इशारों पर काम कर रहा था इसी लिए प्रशासन और पुलिस ने पूरी कार्यवाही का फोकस अब्दुल मंसूरी तक ही रखा हालांकि पुलिस की जांच अभी जारी है और कई नाम और उजागर होंगे ऐसी आम जनता को उम्मीद भी है । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पेटलावद ब्लास्ट से जुड़े लोग भी पर्दे के पीछे रह कर इस धंदे में आज भी जुड़े हुवे है इसकी जानकारी सामने आ रही है जो दूसरे धंदे की आड़ में आज भी जिलेटिन और डिकोनेटर का व्यवसाय अवैध रूप से कर रहे हैं ।

कलसिंह की नजर कल पर

सीएम शिवराज ने किया सभी को साधने का प्रयास

माही की गूंज झाबुआ, मुज्जमील मंसुरी

सत्ता के साथ गुटबाजी का होना स्वाभाविक ही है लेकिन झाबुआ जिले के संदर्भ में देखा जाए तो यह मामला कुछ अलग ही है। यहां जितने नेता उतने गुट वाली कहावत चरितार्थ होती है, और हर गुट मौका मिलने पर विरोधी गुट को नीचा दिखाने का प्रयास करता है। शायद इसलिए भाजपा प्रदेश की सत्ता में होने के बावजूद जिले के तीनों विधायक कांग्रेस के हैं लेकिन फिर भी भाजपा में गुटों की कमी नहीं है। जिले की राजनीति में वर्तमान में सांसद गुट, जिलाध्यक्ष गुट, पूर्व विधायक गुट सहित अनेक गुट है। विधानसभा चुनाव के बाद हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा सांसद चुनने के बाद सांसद गुट का प्रभाव ज्यादा होने लगा, तो प्रदेश संगठन ने संतुलन बनाने के लिए थांदला के पूर्व विधायक कलसिंह भाबर अजजा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाकर संतुलन बनाने का प्रयास किया। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद भी कलसिंह भाभर की पकड़ जिले पर कमजोर होने लगी और नया गुट जिलाध्यक्ष का हावी होने लगा। ऐसे में कलसिंह भाभर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को थांदला लाकर अपना शक्ति प्रदर्शन किया। राजनीति सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री के इस दौरे में कलसिंह भाभर ने स्पष्ट रूप से अपनी छाप छोड़ी और अपने राजनीतिक विरोधियों को यह संदेश देने में कहीं न कहीं कामयाब हुए है कि, कलसिंह भाभर की नजर न केवल आज (वर्तमान) पर है, बल्कि कल (आगामी विधानसभा चुनाव 2023) पर भी है। अप्रत्यक्ष रूप से इस दौरे के बाद कलसिंह भाभर की आगामी चुनाव के लिए दावेदारी मजबूत हुई है।

लंबे समय से प्रयासरत थे कलसिंह

बताया जाता है कि, मुख्यमंत्री को थांदला के भगोरिया मेले में शामिल करने के लिए कलसिंह भाभर लंबे समय से प्रयासरत थे, और आखिरकार मुख्यमंत्री के भगोरिया मेले में न केवल स्वयं शामिल हुए, बल्कि अपनी पत्नी साधना सिंह को भी लेकर आए और पारंपरिक वेशभूषा में नगर की सड़कों पर घूमे और नृत्य भी किया। साथ ही भगोरिया में शामिल हुए लोगों को भगोरिया और होली की शुभकामनाएं भी दी।

पेयजल के लिए 850 करोड की घोषणा

पिछले विधानसभा चुनाव के पूर्व जन आशीर्वाद यात्रा लेकर आए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का थांदला की जनता ने रात्रि में लगभग 2 बजे स्वागत किया था। देर रात में हुई सभा में मुख्यमंत्री ने नर्मदा का पानी झाबुआ जिले सहित थांदला और खवासा में लाने का वादा किया था। कुछ ऐसा ही वादा इस बार भी मुख्यमंत्री ने किया है। साथ ही जिले की पेयजल समस्या के लिए 850 करोड रूपये देने की घोषणा की है। साथ ही मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि, जिले की ग्रामीण माताओं-बहनों को अब हेडपंप से पानी लाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, अब नल द्वारा सीधे उनके घरों तक पानी पहुंचेगा मुख्यमंत्री जहां खड़े होकर यह घोषणा कर रहे थे उसके 25 किलोमीटर दूर खवासा गांव में ऐसी ही एक पेयजल योजना लगभग 50 लाख की ढोलखरा पेयजल दम तोड़ चुकी थी। 50 लाख खर्च होने के बावजूद थांदला विधानसभा के सबसे बड़े गांव खवासा में आज भी 8 से 10 दिन में एक बार पेयजल वितरण होता है। जिसके लिए आम लोगों में चर्चा है कि, इन 850 करोड रूपए की पेयजल योजना का भी यही हाल न हो जाए।

भगोरिया का मूल स्वरूप कायम रखा जाए

पिछले कुछ वर्षो में भगोरिया पर्व राजनीतिक दांवपेच का अखाड़ा बन गया है। मस्ती और उल्लास का पर्व जनजातीय समाज का सबसे बड़ा पर्व है, इसका मूल स्वरूप कायम रहना चाहिए। वही भगोरिया मेले में जिले की कानून व्यवस्था को नापने की कसौटी भी है जिस पुलिस कप्तान ने जिले में भगोरिया पर्व को शांतिपूर्वक निपटा लिया वह उतना ही सफल कप्तान कहलाता है। लेकिन अलीराजपुर जिले के पहले ही भगोरिया मेले में हुई छेड़छाड़ की घटना ने इस उल्लास व उमंग के पर्व में रंग में भंग घोलने का प्रयास किया है। उल्लेखनीय है कि वालपुर का भगोरिया मेला विदेशों में भी प्रसिद्ध है और कोरोना काल के पहले तक वालपुर के भगोरिया मेंलो में कई विदेशी पर्यटक भी आते रहे है। ऐसे में छेड़छाड़ की इस शर्मनुमा घटना ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह खड़े कर दिए थे। हालांकि घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी आरोपियों को पकड़ लिया है लेकिन घटना के बाद वालपुर मेले की छवि धूमिल हुई है।

उर्मिला ने किया ट्वीट

फिल्म अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने भी इस घटना के बाद ट्वीट किया और मुख्यमंत्री से तत्काल कार्रवाई की मांग की थी।

भगोरिया की गैर लोकप्रियता का पैमाना

भगोरिया पर्व पर पारंपरिक वेशभूषा और वाद्य यंत्रों के साथ रैली निकाले जाने की परंपरा रही है। जिसे स्थानीय भाषा में गैर कहा जाता है। कुछ वर्षो पूर्व तक के गैर विशुद्ध रूप से गैर राजनीतिक व पारंपरिक रूप से निकलती रही, जिसमें ऊंच-नीच व मतभेद भुलाकर सभी समान रूप से शामिल होते रहे। लेकिन पिछले कुछ वर्षो से भगोरिया की गैर का भी राजनीतिकरण हो गया है। अलग-अलग दलों और विचारधारा के लोगों की अलग-अलग गैर निकलने लगी, यही नहीं गैर में शामिल लोगों की संख्या के आधार पर लोकप्रियता की कसौटी माना जाने लगा और शायद इसलिए कलसिंह भाभर ने भगोरिया की गैर में मुख्यमंत्री को शामिल करवाकर शक्ति प्रदर्शन किया है। अब देखना है कि, उनके इस शक्ति प्रदर्शन का जवाब कांग्रेश के साथ ही भाजपा में मौजूद उनके विरोधी किस प्रकार देते हैं...?

थांदला भगोरिया कई भागों में बटा, नहीं मिली असली रंगत देखने

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का भगोरिया में आना आकर्षण का केंद्र रहा

माही की गूंज थांदला, मुकेश भट्ट

होली के एक सप्ताह पूर्व लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार से शुरू होने वाला आदिवासीयो का भगोरिया पर्व जिसे गुलालिया ओर भोंगर्या भी कहा जाता है। वो अब कही ना कहीं राजनीति की भेंट चढ़ चुका है।

थांदला में मंगलवार को भगोरिया पर्व के दिन का उत्साह चरम पर था। इसके पीछे का बड़ा कारण मुख्यमंत्री का स्थानीय भगोरिया में शामिल होना था।

पिछले कई वर्षो से भगोरिया पर्व में राजनीति दल अपने समर्थकों के साथ जुलूस (गेर) निकालते रहे है। किंतु इस राजनीति प्रतिद्वंदता के चलते या कड़वा सच कहें कि, झाबुआ जिले की सभी विधानसभा से भाजपा उम्मीदवारो की हार के बाद से ही भाजपा प्रयोग कर रही है। अब जबकि अगले साल विधानसभा चुनाव होना है। मुख्यमंत्री का भगोरिया में शामिल होना लोग उसी की तैयारी से देख रहे है।

भाजपा कांग्रेस ने निकाली गेर

भाजपा ने पुरानी कृषि उपज मंडी से निकाली गेर में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उनकी धर्मपत्नी साधना सिंह चौहान आकर्षण का केंद्र थे, गेर में मुख्यमंत्री ने मार्गो पर जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुए वाहन पर चल रहे थे। ढोल मादल की थाप पर बुलाए लोग परम्परागत वेष-भूषा में नृत्य कर रहे थे। गेर का समापन पुराने अस्पताल चौराहा पर हुआ। इस दौरान सांसद गुमानसिंह डामोर, भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक, पूर्व विधायक कलसिंग भाभर, अनिल भंसाली, संजय भाभर, समर्थ उपाध्याय, प्रांजल भंसाली, विपुल आचार्य, महेश नागर, अमित शाह, दीपक राठौड़ आदि मौजूद थे।

कांग्रेस ने भी निकाली गेर

कांग्रेस ने भी ऐतिहासिक गेर निकाली गेर का नेतृत्व विधायक विरसिंग भूरिया ने किया। कांग्रेस की गेर मार्केटिंग सोसाइटी से निकाली गई, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ता ढोल मादल की थाप पर उल्लास के साथ नृत्य कर रहे थे। विधायक भूरिया ने क्षेत्र वासियो को भगोरिया पर्व, होली व आगामी पर्वो की बधाई दी, गेर का समापन सुतरेटी चौराहे पर हुआ। गेर में जनपद अध्यक्ष गेंदालाल डामोर, राजेश डामोर, युवा नेता यशवंत भाभर, वरिष्ठ नेता राजेश जैन, रमेश भटेवरा, युवा काग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रुसमाल मेंडा, युवा नेता सुधीर भाभर, मसूल भूरिया, हवा खड़िया, रमेश अड़, दीपक बिलवाल, शंकर चतरू आदि शामिल हुए।

'दो दिन से प्रशासनिक अमला व्यवस्था में लगा रहा'

मुख्यमंत्री के थांदला भगोरिया में शामिल होने को लेकर असमंजस की स्थिति रही। भाजपा की गुट बाजी की चर्चाए भी चली। इसी के चलते जिला व स्थानीय प्रशासन को कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ा। प्रशासन पर दोहरा मानसिक दबाव भी था कि, पड़ोसी अलीराजपुर जिले के प्रथम भगोरिया में ही लड़की छेड़छाड़ की घटना घट चुकी थी। तो दूसरी ओर प्रदेश के मुखिया का थांदला भगोरिया में आना फिर भी प्रशासन ने चाक चौबंद व्यवस्था बनाई रखी।

भगोरिये की असल रंगत नही मिली देखने

भगोरिया का असली रंग व उत्साह परम्परागत वेशभूषा, झूले, चकरी, माजम ओर मीठा पान दुकानों पर टोलिया ही टोलिया दिखाई देना बंद सा हो गया। सेकड़ो की संख्या में ढोल, मादल की थाप जो स्वयं अपने खर्च से आते थे। वर्तमान में ये भगोरिया पर्व राजनीति लोगो द्वारा अपनी ताकत दिखाने का एक जरिया बन कर रह गया है।

साप्ताहिक बाजार के छोटे व्यापारियों के लिए रहा परेशानियों वाला भगोरिया

साप्ताहिक हाट बाजार में व्यवसाय करने वाले व्यापारियों को बड़ी उम्मीद रहती है कि, व्यापार अच्छा चलेगा, किन्तु कोई वीआईपी का उसी दिन भ्रमण हो तो इन व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही थांदला में मंगलवार को भगोरिया में छोटे व्यापारियों के साथ हुआ। स्थाई तोर पर लगने वाले बाजार को मुख्यमंत्री के आने के चलते अस्थायी छोटे व्यापारियों इधर-उधर दुकाने लगाने को मजबूर होना पड़ा।

'दो दिन में दो दिन के लिए चमका नगर'

भाजपा समर्पित नगर परिषद जो लगभग साढ़े नो सालों से काबिज है। थांदला नगर में विकास को लेकर उदासीन ही रही। विशेष कर वर्तमान परिषद के साढ़े चार साल के कार्यकाल को लोग अब तक की सबसे घटिया परिषद कहने लगे है। मुख्यमंत्री के थांदला भगोरिया में शामिल होने की अटकलों के चलते प्रशासन सक्रिय हुआ और मुख्यमंत्री का फाइनल कार्यक्रम आने के बाद तो थांदला नगर का कायाकल्प देख नगर के लोगो ने तो सोशल मीडिया पर थांदला को थाईलैंड तक बता दिया। नगरवासी कहने से भी नही चुके की प्रशासन ने दो दिन में जो कर के दिखा दिया अगर परिषद साढे चार साल से चाहती तो नगर में विकास के आयामों को छू लेती।

प्रशासन ने किया भी तो क्या, अतिक्रमण तो हटाया ही नही सिर्फ दुकानदारों से व्यवस्था बनवाई, आदेश देकर साफ सफाई करवाई ओर यातायात व्यवस्था के लिए थोड़ी सक्रियता दिखाई। यह व्यवस्था भले ही दो दिन के लिए हो पर दो दिन में क्या किया जा सकता है। यह तो सबने देखा है। अब देखना है कि, ऐसी व्यवस्था हमेशा बनी रहेगी या नगर परिषद और कर्मचारियों की मिली भगत से वही हाल हो जायेंगे जो मुख्यमंत्री के आने के पहले था।

घरों के नलों में मल-मूत्र वाला हो रहा जल प्रदाय

माही की गूंज, पारा

ग्राम मे इन दिनों गर्मी ने दस्तक देदी है। अब चारो तरफपानी की मारा-मारी होना तय है। फिलहाल ग्राम पंचायत पारा के नलो में जल सप्लाई कब होगा, इसका कोई निश्चित समय नही है, कभी भी नल आ सकते है। कुछ दिन और नलो मे पानी आ सकता है, इसके बाद चढती गर्मी के साथ नलो मे पानी आयगा या नही, कुछ कहा नहीं जा सकता। आज के दिनों मे कई वार्ड के नलो में पानी आ रहा है, तो कई वार्ड में नही आ रहा है।

गर्मी की शुरुआत होते ही पारा ग्राम में जल लेवल कम होने के कारण गांव मे चार से पांच पानी के टैंकरो से निजी पानी मिलता है जिससे ग्रामवासी 30 रुपए प्रति ड्रम के हिसाब से पानी खरीदने को मजबूर है। पंचयत द्वारा पिछले दो वर्षो से नलो मे सेप्टिक टैंक का पानी सप्लाई किया जा रहा है। गाँव के कई वार्ड के नलो में मल-मूत्र का गंदा पानी आ रहा है। गाव मे नल आते ही लोग अपने मुह पर कपड़ा बांध लेते है, इतनी भयानक बद्बु आती है। पंचायत कर्मी से गंदे पानी की समस्या से अवगत कराते है, तो कर्मी कहते है जमीन के अंदर पाइपलाईन डली हुई है, किस स्थान पर गंदा पानी का पाइप मिल रहा अभी तक पता नही चल पा रहा है।

फिल्मी स्टाइल से हवा में उड़ी कार के परचक्खे उड़े, लगी आग

माही की गूंज , पेटलावद

मंगलवार देर शाम पेटलावद से बामनिया की और एक कार जीजे 03 एचआर 2266 ग्राम दुलाखेड़ी में बुरी तरह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। वाहन में उस समय दो लोग सवार थे जिनको मामूली चोट लगी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार पेटलावद की और से तेज़ गति से आई और अनियंत्रित होकर हवा में उड़ दो-तीन पलटी खाकर रोड के किनारे खनती में गिर गई। दुर्घटना इतनी भयंकर थी की वाहन दुर्घटना के बाद उसी दिशा में पलट गया जिस दिशा आ रहा था। दुर्घटना में वाहन के पूरी तरह से परचक्के उड़ गए, गनीमत ये रही कि वाहन सड़क किनारे बने मकान में नही घुसा वरना बड़ी जनहानि हो सकती थी। वही कार सवार भी मामुली चोट के साथ बच गये।

थांदला-बदनावर राज्य मार्ग पर मृत पाया गया अज्ञात व्यक्ति

मौत का कारण अब तक पता नहीं चला पुलिस जांच में जुटी

माही की गूंज, सारंगी ,संजय उपाध्याय

बदनावर-थांदला राज्य मार्ग पर सारंगी पुलिस चौकी के क़रीब बाछिखेड़ा फटे के पास नहर में एक व्यक्ति मृत पाया गया है। फिलहाल मौत का कारण अज्ञात है। सुत्रों के अनुसार कोई वाल्वो बस वाला रोड़ पर उतार गया था। अब बस वाला क्यों उतार गया यह भी अज्ञात ही है और मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है, वो कहां का है और कौन है। 100 डायल के द्वारा शव को पेटलावद ले जाया गया है। सुत्रों के अनुसार सारंगी पुलिस ने उक्त व्यक्ति को नहर से निकाल कर पानी भी पिलाया और वही नहर के बाहर छोड़ कर चले गए थे। अगर व्यक्ति जिवीत था तो उसे छाव या ठंडे स्थान या अस्पताल तक पहुंचा दिया जाता तो शायद उसे जीवन दान मिल सकता था। लेकिन लापरवाही में जान चली गई।

हाइवे पर यमराज बन कर अवैध रूप से सड़कों पर दौड़ रही वोल्वो बसे...

लगातार बढ़ रहीं स्टेट हाइवे पर दुर्घटना, अंधे मोड़ और तेज़ रफ़्तार बन रही अकाल मौतों का कारण

माही की गूंज पेटलावद ,राकेश गेहलोत

स्टेट हाइवे थांदला-बदनावर मार्ग से 24 घंटे में लगभग 50 से अधिक एक्सप्रेस वोल्वो बसे लंबी दूरी की निकलती है, जो अंध गति से इस मार्ग से गुजरती देखी जा सकती है। आये दिन इस मार्ग पर वोल्वो बसों की चपेट में आने से सड़क पर चलने वालों की मौत होने की जानकारी आती है। वही बस में बैठी सवारियों की जान भी जोखिम में होती है और कई बार इन सवारियों को भी जान से हाथ धोना पड़ता है। ये बसे इस स्टेट हाइवे पर यमराज बन कर मौत का तांडव कर रही है। बीते एक पखवाड़े में इस मार्ग पर केवल पेटलावद थाना क्षेत्र में दस से ज्यादा लोगो की मौते हो चुकी हैं, तो एक घटना में वोल्वो बस ने एक साथ 20 से ज्यादा भेड़ो को कुचल दिया था। ताज़ा घटना शुक्रवार-शनिवार की रात्रि में हुई दुर्घटना में करडावद के एक युवक ईश्वर सिंह मंडलोई की मौत अंधगति से चलने वाली वोल्वो बस की चपेट में आने से हो गई और सोमवार को एक शिक्षक की मौत इसी मार्ग पर तूफान जीप की चपेट में आकर हो चुकी हैं। इस मार्ग पर लगातार बढ़ते मौत के आंकड़े डरा देने वाले है, जो क्षेत्र के अन्य स्टेट हाइवे से कही अधिक है।

वैध की आड़ में दौड़ रही अवैध बसे, पुलिस की जांच दुपहिया-चार पहिया तक सीमित

थांदला-बदनावर मार्ग पर भारी मात्रा में इन लंबी दूरी की बसों की आवाजाही देखी जा रही है। ये व्यवसाय इतने फलफूल गए हैं कि, हर छोटे स्टेशन पर कमीशन एजेंट और अघोषित बस स्टेशन बन गए हैं। जहां से सवारियों को बैठाया जाता है, बात करे स्टेट हाइवे की तो इस मार्ग से गुजरने वाली वोल्वो बसों की जांच की जाए तो वैध बसों की आड़ में कई अवैध रूप से संचालित बसों का भांडा फुट सकता है। उक्त मार्ग पर थाना पेटलावद की पुलिस का लगातार जांच अभियान या कहा जाये कि वसुली अभियान चलाया जाता है। जिसमे दुपहिया वाहन ओर छोटे चार पहिया वाहनों से वसुली की जाती है ओर जांच के दौरान ये वोल्वो बसे बिना किसी रोक-टोक के निकल जाती है। जानकारी तो यहाँ तक कि सामने आ रही है कि, हर बस का फिक्स राशि का भुगतान किया जाता है जिससे इनको कभी भी रोक कर इनके कागज नही देखे जाते।

यातायात विभाग की भी बंदी, नही चलाया जाता कोई विशेष अभियान

कहने को तो एक पूरा यातायात विभाग है, जो वाहनों के संचालन ओर उनके दस्तावेजों की समय-समय पर जाँच करने के लिए है। लेकिन लागातर बढ़ती दुर्घटनाओं ओर मौतो के बाद भी यातायात विभाग की ओर से कोई बड़ी कार्रवाई इस मार्ग से गुजरने वाले बड़े वाहनों खास कर वोल्वो बसों की जांच का अभियान नही चलाया गया। जब कि इन बसों में सवारियां भी क्षमता से अधिक भरी होती है। कई बसों की हालत तो इतनी लंबी दूरी तय करने के लिए ठीक भी नही बची है। लेकिन यातायात विभाग को बस एजेंटों के माध्यम से मासिक बंदी दी जाती है। जिसके चलते यातायात विभाग मौन धारण कर मूक दर्शक बन कर बैठा है ।

अवैध गतिविधियों का होता है संचालन ,टेक्स की भी चोरी

लंबी दूरी की इन बसों में शराब सहित अन्य मादक पदार्थ और ऐसी सामग्री का आदान-प्रदान बड़ी आसानी से किया जाता है। क्योंकि इन बसों की कभी जांच ही नही की जाती और एक राज्य से चल कर कई राज्यों का सफर कम समय मे तय करती है। जिससे अवैध सामान का आदान-प्रदान इन बसों के माध्यम से होता है। वही टेक्स बचाने के लिए कई ऐसे महँगे सामान भी इन बसों के माध्यम से आसानी से लाये ओर ले जाये जा रहे हैं ।

स्टेट हाइवे, अंधे मोड़ ही मोड़ और जजर्र सड़क

कहने को तो मार्ग स्टेट हाइवे है और इस पर वाहनों का भारी दबाव बना हुआ रहता है। लेकिन वर्तमान में मार्ग की स्थिति कई जगह जर्जर है, साथ ही मार्ग पर बने घुमावदार मोड़ अभी भी दुर्घटनाओं को खुला न्योता देते नजर आ रहे हैं। उसके बाद भी जिम्मेदार का ध्यान इस ओर नहीं जाने से आमजन में आक्रोश बना हुआ है। थांदला-बदनावर मार्ग पर 6 से अधिक ऐसे घुमावदार मोड़ है, जहां वाहन चालकों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। एवं सामने से आ रहे वाहन का पता नहीं चलने के कारण लगातार दुर्घटनाओं का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। साथ ही घुमावदार मोड़ों पर संकेतों का भी अभाव है, जिसके चलते भी कई बार दुर्घटना हो जाती है। थांदला-बदनावर मार्ग जो कि स्टेट हाईवे होने के चलते यहां वाहनों की आवाजाही बड़ी संख्या में बनी रहती है, हजारों छोटे-बड़े वाहान प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरते है, तथा इस मार्ग पर 24 घंटे वाहनों का आना-जाना लगा रहता है। कई प्रदेशों से जुड़ाव का थांदला-बदनावर मार्ग को मध्यप्रदेश की सड़कों का आधार स्तंभ माना जाता है। इस मार्ग से राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि प्रदेशों का सीधा जुड़ाव होने के चलते अन्तर्राज्यीय वाहनों की आवाजाही बनी रहती है, ऐसे में यदि समय रहते इस मार्ग की सुध नहीं ली गई तो आने वाले समय में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। फोरलेन को लेकर मामला अभी भी फाइलों में' कुछ दिनों पूर्व ही थांदला, पेटलावद, बदनावर मार्ग को नेशनल हाईवे 78 में शामिल कर लिया गया है। जिसके चलते इस मार्ग का नव-निर्माण की आशा आमजन में जागी है एवं इस मार्ग को फोरलेन मैं भी परिवर्तन करने की कार्य योजना भी बनी थी। परंतु अभी तक कोई ठोस कार्य योजना आमजन तक नहीं पहुंचने से फोरलेन को लेकर ग्रामीणों में भी असमंजस बना हुआ है। ग्रामीणों के मन में अभी भी यह अंदेशा बना हुआ है कि, यदि फोरलेन बनता है तो वह कहां से व कैसे गुजरेगा ।

संपादकीय

हिजाब मामलाः कर्नाटक हाई कोर्ट का फैसला

कर्नाटक की शैक्षणिक संस्थाओं में मध्य सत्र में अचानक पैदा हुए हिजाब विवाद का पटाक्षेप कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के बाद हो जाना चाहिए। मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने को लेकर फैसला सुनाया कि, हिजाब पहनना इस्लाम धर्म की अनिवार्य प्रथा नहीं है। साथ ही इसे संवैधानिक अधिकार बताने वाली छात्राओं की याचिका भी खारिज कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि, शिक्षण संस्थाओं में यूनिफॉर्म लागू करना कानूनी दृष्टि से उचित है। इससे संविधान में दी गई निजता व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का अतिक्रमण नहीं होता। दरअसल, कर्नाटक स्थित उडुपी के दो सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों की कुछ छात्राओं ने कालेज प्रबंधन द्वारा कक्षाओं में हिजाब पहनने पर रोक लगाने के खिलाफ कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। साथ ही इसे पहनना संवैधानिक अधिकार बताया था। कालांतर इस मामले को तीन जजों की पीठ को सौंपा गया था। सभी पक्षों को सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाली पीठ में शामिल जजों न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित व न्यायमूर्ति जेएम काजी ने 25 फरवरी तक सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रखा था। पीठ ने निष्कर्ष दिया कि, व्यक्तिगत अभिरुचि शैक्षणिक अनुशासन का अतिक्रमण नहीं कर सकती। इस फैसले का केंद्र सरकार व राज्य सरकार ने स्वागत किया। कहा गया कि, देश-राज्य की प्रगति के लिए प्रतीकात्मक विवादों से परे छात्रों को अपने मुख्य कार्य पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। वहीं छात्राओं के वकील का कहना है कि, मामला सुप्रीम कोर्ट ले जाएंगे। वहीं दूसरी ओर कहा जा रहा है कि, धर्म व उसकी मान्यताओं से इतर संविधान सर्वोच्च है। दरअसल, फरवरी के मध्य में जब उडुपी के गवर्नमेंट पीयू कॉलेज फॉर वीमेन की छात्राओं को हिजाब पहनने से रोका गया तो उन्होंने कॉलेज प्रशासन के फैसले को नहीं माना और अदालत की शरण ली थी। जब इस मामले का विरोध हुआ तो कुछ छात्र भगवा शॉल डालकर प्रदर्शन करने लगे।अचानक उठे इस विवाद को लेकर तमाम सवाल खड़े हुए। कालांतर यह प्रकरण उडुपी से निकलकर पूरे कर्नाटक और फिर पूरे देश में विवाद का केंद्र बन गया। इस दौरान कई राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में भी मुद्दे की तपिश महसूस की गई। तब इस विवाद के मूल में राजनीतिक निहितार्थों की बात कही गई। मामले ने तूल पकड़ा तो कई राजनीतिक दल भी इसमें नफा तलाशने लगे। तभी मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने भी कहा कि, अकादमिक सत्र के बीच में अचानक यह मुद्दा क्यों उठा...? लगता है कि इसके पीछे किसी का हाथ है। निःसंदेह, अशांति पैदा करने व सद्भाव को प्रभावित करने के लिए ऐसा किया गया। वहीं राज्य सरकार कहती रही है कि, पहले से तय यूनिफॉर्म ही कालेज में पहनी जा सकती है। साथ ही लड़कियों को छूट दी गई कि वे स्कूल आते-जाते वक्त हिजाब पहन सकती हैं मगर कक्षा में इसे उतारना होगा जिसे छात्राओं ने स्वीकार नहीं किया। कालांतर कर्नाटक के कई स्कूल-कॉलेजों में हिजाब के समर्थन व विरोध में प्रदर्शन हुए। कुछ जगह तोड़फोड़ व पथराव की घटनाएं भी हुईं। स्कूल, कॉलेज बंद किए गए और राज्य में निषेधाज्ञा लागू की गई। वहीं इस मुद्दे पर विवाद बढ़ने के बाद कुछ कानून के जानकारों ने इसे धर्म से इतर व्यक्तिगत अधिकार का मुद्दा बताया। साथ ही कहा गया कि, ड्रेस कोड निर्धारित करना स्कूल का अधिकार तो है लेकिन इसके क्रियान्वयन से मौलिक अधिकार का हनन नहीं होना चाहिए। कुछ लोग इसे संस्थान की स्वतंत्रता व निजी स्वतंत्रता का द्वंद्व बताने लगे। वहीं बुद्धिजीवी कहने लगे कि, हिजाब के पक्ष व विरोध में खड़े छात्रों का पहला काम पढ़ाई करना है। कुछ लोगों ने पोशाक के चयन को अभिव्यक्ति का हिस्सा बताया। वहीं कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस फैसले से अभिव्यक्ति की आजादी के अतिक्रमण की बात से इनकार किया है। कुछ लोगों ने आधुनिक प्रगतिशील समाज में रूढ़िवादी रवैये को खारिज किया। वहीं केरल के राज्यपाल आरिफमोहम्मद ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि, फैसले से प्रतिभावान लड़कियों को बेहतर मौके मिलेंगे।

जागरूक उपभोक्ता प्रगति का प्रतीक

-डॉ. अशोक कुमार भार्गव

अर्थ चिंतन की पूंजीवादी अवधारणा में यह स्वीकार्य था कि समाज में उपभोक्ता ही राजा होते हैं क्योंकि इनकी रूचि, पसंद और मांग ही पूरी अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने में निर्णायक होती है। इस स्थिति को अमेरिका के विलियम हेराल्ड हट ने पहली बार 'उपभोक्ता की सार्वभौमिकता' शब्द से निरूपित किया जैसा कि एक उच्च डच कहावत है ÷डी क्लांट इज कोनिंग÷ अर्थात ग्राहक राजा है। समय के बदलाव के साथ विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की संकल्पना ने उपभोक्तावादी संस्कृति को प्रोत्साहित किया। बाजार नियंत्रित समाजों में प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण सृजित हुआ जहां नैतिकता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों का अभाव था। विशुद्ध मुनाफाखोरी, कालाबाजारी, अनैतिक व्यापार की दूषित मानसिकता ने उपभोक्ता की सार्वभौमिकता के प्रभाव को निस्तेज कर दिया। यह धारणा विकसित हुई कि समाज के भीतर व्याप्त प्रत्येक तत्व उपभोग करने योग्य है। आवश्यकता बस इतनी है कि उसे सही तरीके से एक आवश्यक वस्तु के रूप में बाजार में स्थापित कर दिया जाए। उपभोक्ताओं को रूपहले मायावी, विज्ञापनों के आकर्षण की मृग मरीचिका से भ्रमित कर उनके लिए महंगी और गैर जरूरी वस्तुओं की भूख जागृत की। आधुनिक जीवन शैली को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बना दिया। बड़े-बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों ने स्वयं को सामाजिक दायित्व बोध से मुक्त कर अपने उत्पादों के खोखले दावों और मिथ्या प्रचार के भ्रम जाल में उपभोक्ताओं को कैद कर लिया। बड़े-बड़े लोकप्रिय सेलिब्रिटिओं ने भी कुछ अपवादों को यदि छोड़ दें तो बिना जांच-पड़ताल के ही ऐसे मिथ्या विज्ञापनों को रूपायित किया जो उपभोक्ताओं के प्रति उनकी गैर जिम्मेदारी को प्रकट करते हैं। फलस्वरूप उपभोक्ताओं को असल और नकल के बीच की महीन रेखा को पहचानना कठिन हो गया। ऐसी विषम परिस्थितियों ने उपभोक्ताओं के संरक्षण के लिए उपभोक्ता आंदोलन को जन्म दिया जो अमेरिका में रालफ नाडेर के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। 15 मार्च 1962 को अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफकैनेडी ने अमेरिकी संसद में उपभोक्ता संरक्षण संबंधी विधेयक को मंजूरी दी जिसमें उपभोक्ता सुरक्षा का, सूचित किये जाने, चयन करने और सुनवाई करने के अधिकार थे। बाद में प्रतितोषण पाने और उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार जोड़ा जो संयुक्त राष्ट्र संघ के मानवाधिकार घोषणापत्र में भी सम्मिलित थे। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 15 मार्च 1983 से विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाना प्रारंभ किया। भारत में 1966 में मुंबई से फेयर प्रैक्टिस एसोसिएशन ने उपभोक्ता आंदोलन, उद्योगपति जेआरडी टाटा के नेतृत्व में प्रारंभ किया। 1974 में श्री बीएम जोशी ने पुणे में स्वयंसेवी संगठन

के रूप में ग्राहक पंचायत की स्थापना की। तत्पश्चात देश के विभिन्न राज्यों में उपभोक्ता हितों के संरक्षण हेतु स्वयंसेवी संगठनों का गठन प्रारंभ हुआ और उपभोक्ता आंदोलन निरंतर आगे बढ़ता रहा।

भारत सरकार ने कानूनी स्तर पर 1986 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किया जिसमें 1993 एवं 2002 में आवश्यक संशोधन किए गए। लेकिन सूचना क्रांति के विस्फोट के इस दौर में बाजार में आए बदलावों के चलते यह अनेक मामलों में लगभग अप्रासंगिक होने, अनुचित व्यापारिक लेन-देन, वस्तुओं के कृत्रिम संकट, मूल्यों में हेराफेरी, अमानक और गुणवत्ताहीन वस्तुओं के विक्रय, वस्तुओं के घटिया उत्पादों, वजन, माप, मात्रा में बेईमानी तथा नए बाजार के उपभोक्ताओं की बदली हुई जरूरतों को पूरा करने के संबंध में पर्याप्त समाधान नहीं कर सका। इसीलिए वर्ष 2019 में इस विधेयक में संयुक्त राष्ट्र संघ के उपभोक्ता संरक्षण पर जारी दिशा-निर्देशों को समाविष्ट कर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू किया गया। विधेयक में उपभोक्ता वह व्यक्ति है जो अपने उपयोग के लिए कोई वस्तु खरीदता है या सेवा प्राप्त करता है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक तरीके से टेलिशॉपिंग, बहुस्तरीय मार्केटिंग या सीधे खरीद के जरिए किए जाने वाले सभी तरह के ऑनलाइन या ऑफलाइन लेन-देन भी सम्मिलित है किन्तु ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो व्यावसायिक उद्देश्य के लिए किसी वस्तु या सेवा को खरीदते हैं। इसमें उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा के लिए त्रिस्तरीय अर्ध न्यायिक तंत्र के तहत केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के गठन का प्रावधान है जो राज्य और जिला स्तर पर भी गठित होंगे। यह प्राधिकरण अनुचित व्यापार प्रथाओं, भ्रामक विज्ञापनों तथा उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामलों का विनियमन के साथ वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में भी कार्य करेगा जिसमें मुकदमे के बाद भी मध्यस्थता का प्रावधान है।

विधेयक में उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के गठन का प्रावधान है। जिसमें कोई भी उपभोक्ता क्षेत्राधिकार अनुसार ऑनलाइन शिकायत कर सकते हैं। जिला आयोग के आदेश के विरुद्ध राज्य आयोग तथा राज्य आयोग के आदेश के विरुद्ध राष्ट्रीय आयोग में अपील और अंतिम अपील करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय सक्षम है। अनुचित अनुबंध के विरुद्ध शिकायत केवल राज्य और राष्ट्रीय आयोग में ही की जा सकेगी। कोई भी उपभोक्ता यदि मांगी गई क्षतिपूर्ति की राशि एक करोड़ रुपए है तो जिला स्तर पर, एक करोड़ से अधिक किन्तु 10 करोड़ से कम राशि होने पर राज्य स्तर पर और 10 करोड़ से अधिक राशि के मामलों की सुनवाई राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के समक्ष होगी। इस विधेयक में ई-कॉमर्स और डिजिटल व्यापार के लिए नियमों विनियमों का प्रावधान जो सलाहकारी न होकर अनिवार्य है। जहां तक सेलिब्रिटीज का प्रश्न है वे समाज में अधिक लोकप्रिय प्रभावी और अनुकरणीय होते हैं। यदि उनके द्वारा भ्रामक विज्ञापन किया जाता है तो पहले अपराध के लिए दस लाख रुपये तथा 1 साल का प्रतिबंध जबकि दूसरे अपराध के लिए पचास लाख का जुर्माना और 3 वर्ष तक प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। इसी प्रकार भ्रामक विज्ञापन के लिए कंपनियों पर भी शिकंजा कसते हुए पहले अपराध के लिए दस लाख और 2 वर्ष की जेल इसके बाद के अपराध के लिए 50 लाख रुपये जुर्माना और 5 वर्ष तक की जेल तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट संबंधी प्रकरणों में जुर्माने के साथ उम्र कैद की सजा का प्रावधान है।

भारत में उपभोक्ताओं को सशक्त समृद्ध बनाने के विशिष्ट प्रावधान होने के बावजूद सामाजिक आर्थिक समस्याओं, गरीबी, निरक्षरता, जानकारी का अभाव, क्रय शक्ति में कमी और उपभोक्ताओं के संगठित न होने के कारण उनके अधिकारों के दमन, ठगी, धोखाधड़ी व व्यापार संबंधी अनुचित क्रियाकलापों की घटनाएं निरंतर बढ़ रही हैं और विडंबना यह है कि पढ़े-लिखे तबके के उपभोक्ता भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं। वे ठगे जाने पर भी मौन रहते हैं। शिकायत नहीं करते।

निःसंदेह उपभोक्ताओं के संरक्षण हेतु सरकारी, गैर सरकारी स्तर पर उपभोक्ता शिक्षा अभियान की आवश्यकता है। साथ ही अनैतिक व्यापार में लिप्त वर्गों को व्यावसायिक पवित्रता, नैतिकता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ मानवीय मूल्यों का पाठ पढ़ाना भी जरूरी है ताकि उपभोक्ता बाजारवाद की कठपुतली न बने। इस संबंध में शासन की ओर से कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपभोक्ताओं को कहीं से भी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए 'ई दाखिल पोर्टल' प्रारंभ किया गया है जिसमें फाइलिंग, ऑनलाइन भुगतान, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई आदि के प्रावधान हैं ताकि उपभोक्ता के समय श्रम धन की बचत के साथ त्वरित न्याय मिल सके।

जब तक उपभोक्ता स्वयं जागरूक जिम्मेदार नहीं बनेंगे अपने स्वर्णिम अधिकारों को जानेंगे नहीं तब तक उपभोक्ता अधिकारों का संरक्षण संभव नहीं। प्रत्येक व्यक्ति एक स्वाभाविक उपभोक्ता है चाहे वह शहरी-ग्रामीण, अमीर-गरीब, छोटा-बड़ा कैसा भी हो। हम सभी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए खरीददारी करते हैं किंतु समझदारी न रखी जाए तो हम धोखा खा सकते हैं। अतः जागरूक रहते हुए खरीददारी के पूर्व ठीक से जांच पड़ताल, अवसान की तिथि, कीमत, वजन, मात्रा, माप, गुणवत्ता, उपयोगिता, मानक मार्क आदि का ध्यान रखते हुए दुकानदार से पक्का बिल लेना न भूलें। सोशल मीडिया के विभिन्न प्रचार माध्यमों से सावधान रहें। जहां पांच मिनट में गोरा बनाने की क्रीम, दस मिनट में दुबला करने की मशीन, एक मिनट में घने काले बाल करने की तरकीब, गोलियां खाते ही ताकत प्राप्त करने की पेशकश, एक के साथ दो फ्री जैसे आकर्षक विज्ञापनों की भ्रामक दुनिया से बहुत सावधान रहें। धोखा होने पर शांत ना बैठे क्योंकि हमारी उदासीनता, सज्जनता ही अनुचित, अनैतिक व्यापार प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करती है।

इसीलिए यह संदेश घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है कि जागो ग्राहक ! जागो ! हम समझें और समझाएं, उपभोक्ता शोषण के खिलाफ आवाज उठाएं। उपभोक्ता हेल्पलाइन में शिकायत करें। इस संबंध में बड़े-बड़े उद्योगपतियों, उत्पादकों, व्यापारियों और कंपनियों आदि के लिए महात्मा गांधी के इस कथन के निहितार्थ को आत्मसात करने की आवश्यकता है ÷उपभोक्ता हमारे परिसर में आने वाला सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति है। वह हम पर निर्भर नहीं हैं हम उस पर निर्भर हैं। उससे हमारे काम में रुकावट नहीं आती वह तो हमारा लक्ष्य है। वह हमारे कारोबार से अलग नहीं है वरन उसका हिस्सा है। उसकी सेवा कर हम उस पर कोई एहसान नहीं करते बल्कि हमें ऐसा अवसर देकर वह हम पर एहसान करता है।

कांग्रेस का मंथन

- सिद्धार्थ शंकर

पांच राज्यों में करारी हार के बाद मंथन के लिए बुलाई गई बैठक में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक फिर पुराने अंदाज में खत्म हो गई। कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस्तीफे की पेशकश की। लगे हाथ प्रियंका गांधी ने भी जिम्मेदारी छोड़ने का ऐलान कर दिया। मगर पहले से तैयार स्क्रिप्ट के मुताबिक सदस्यों ने हार की वजह सभी को बताया और गांधी परिवार को इस्तीफा न देने पर मना लिया। सवाल यह है कि, क्या इससे कांग्रेस वापस जीत की राह पर आ जाएगी या देश की जनता पार्टी को फिर से स्वीकार कर लेगी। कतई नहीं। अगर कांग्रेस यह समझ रही है कि वह प्रचार में कमजोर है या जनता के बीच बात नहीं रख पा रही है या फिर प्रत्याशी चयन जिम्मेदार है, तो यह उसकी भूल है। कांग्रेस आज जो भरोसा खो चुकी है, वह कार्यसमिति की बैठक से दूर होने वाली नहीं है। उसे हमेशा याद रखना होगा कि मुकाबला भाजपा से है, जिसके पास कैडर है, जन समर्थन है। इससे भी ज्यादा नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है। हर बार हार की समीक्षा से काम नहीं चलेगा। नेतृत्व को नए सिरे से सोचना होगा। हार की कोई एक वजह नहीं होती। जिस पर मंथन कर लिया और जीतने की गारंटी मिल गई।

कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, हम भाजपा और उसकी विचारधारा से लड़ेंगे, अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाएंगे। यह कहते हुए खडगे भूल गए कि भाजपा की विचारधारा हिंदुत्व है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी तो

पिछले कुछ चुनाव में हिंदुत्व को साधने का भरसक प्रयास कर चुके हैं। अगर खड़गे कह रहे हैं कि पार्टी भाजपा की विचारधारा से लड़ेगी तो क्या राहुल और प्रियंका हिंदुत्ववादी होने का दिखावा कर रहे हैं। कांग्रेस आज जो भी कहे, मगर सच तो यह है कि वह अपनी ही विचारधारा को लेकर असमंजस में है। असल में 2019 के लोकसभा चुनाव में बमुश्किल 52 सीटें और महज पांच राज्यों में (तीन राज्यों में कांग्रेस और दो में गठबंधन) सत्ता पा सकने वाली पार्टी बन चुकी कांग्रेस अब गांधी परिवार का स्वामित्व और क्षेत्रीय नेताओं की राजनीति के बीच कहीं उलझ चुकी है। पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में क्षेत्रीय नेतृत्व में जबरदस्त कलह है। मध्य प्रदेश तो कांग्रेस के हाथ से गया ही अपनी पार्टी में टूट की वजह से। पंजाब में कांग्रेस आलाकमान की नई रणनीति ने सत्ता हाथ से गंवा दी। अब वहां भी संगठन में तलवारें खिंच गई हैं। हरियाणा में भले ही सरकार कांग्रेस की ना हो लेकिन खेमेबंदी कम नहीं है, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ खुलकर खेमेबाजी हो रही है जिसकी धुरी में कुमारी शैलजा हैं। राजस्थान में सरकार बनने के पहले दिन से अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच कद की लड़ाई रही है, जिसमें अभी तक गहलोत अपने तजुर्बे के दम पर 21 ही साबित हुए हैं, लेकिन पिछड़ों को नेतृत्व देने की राह पर चल पड़ा कांग्रेस आलाकमान आखिर कब तक गुर्जर समाज से आने वाले सचिन पायलट की नाराजगी को दरकिनार करता रहेगा या फिर यहां भी चुनाव से ठीक पहले सत्ता की तस्वीर को बदल दिया जाएगा जो कि पायलट गुट को बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। गांधी परिवार का स्वामित्व और क्षेत्रीय नेताओं की राजनीति के बीच की खाई को पाट पाना अब संभव नहीं है, क्योंकि इस फेहरिस्त में वह सब नाम शुमार हैं जिन्होंने गांधी परिवार से आने वाले अपने नेताओं के लिए लाठियां भी खाई हैं और जिंदगी के कई दिन जेलों में भी बिताए हैं, तब गांधी परिवार सत्ता की धुरी था आज एक अदद विपक्ष बनने को मोहताज है। पार्टी लगातार दो लोकसभा और अब पांच राज्यों के चुनाव हारने के बाद संकट से गुजर रही है और ऐसे में नए नेतृत्व पर विचार होना ही चाहिए। कांग्रेस में गांधी परिवार के बाहर पार्टी की कमान संभालने की काबिलियत रखने वाले लोग तो बिलकुल हैं, लेकिन पार्टी ही उनका नेतृत्व स्वीकार करेगी या नहीं इस पर संदेह है।

पक्ष-विपक्ष संतुलन से ही समृद्ध लोकतंत्र

-विश्वनाथ सचदेव

हाल ही में पांच राज्यों में हुए चुनाव के नतीजे सामने हैं। पंजाब को छोड़कर, जहां आम आदमी पार्टी को शानदार सफलता मिली है, बाकी चारों राज्यों में भाजपा मतदाता के पूर्ण समर्थन के साथ विजयी हुई है। ऐसे में देशभर में भाजपा का जश्न मनाना स्वाभाविक है। नतीजों पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में मिली विजय को 2024 में होने वाले लोकसभा के चुनाव-परिणामों का पूर्वाभास भी कहा है। अनुमान लगाये जाने भी स्वाभाविक हैं और यह भी संभव है कि अगले आम चुनाव में भाजपा की मनोकामना भी पूरी हो जाए।

लेकिन यह समय हर पार्टी के लिए अपने भीतर झांकने का भी है। जो जीते हैं वे, और जो हारे हैं वे भी, चुनाव-परिणामों की समीक्षा कर रहे हैं। अपने-अपने ढंग से अपने अगले रास्तों, और अगली चालों के बारे में सब सोचेंगे। पर एक बात देश के मतदाता को भी सोचनी है- देश में जनतंत्र के भविष्य की बात। आज दक्षिण भारत के कुछ राज्यों, और पश्चिम बंगाल, पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि को छोड़कर भाजपा का शासन है। यह पहली बार नहीं है जब देश में ऐसी स्थितियां बनी हैं। केंद्र में कांग्रेस के शासन-काल में भी अधिकांश राज्यों में एक दल का वर्चस्व था। तब भी यह बात अक्सर उठा करती थी कि इतना बड़ा जन-समर्थन किसी भी राजनीतिक दल को अजेय होने का भ्रम करा सकता है, और जनतंत्र की दृष्टि से शासक का यह भाव खतरनाक है। सत्ता में आने, और बने रहने, की आकांक्षा किसी भी दल की हो सकती है, पर सत्ता पर एकाधिकार की स्थिति तानाशाही के रास्ते पर ले जाने वाली बन सकती है। इसीलिए कहा गया है कि जनतंत्र की सफलता के लिए एक मज़बूत प्रतिपक्ष का होना नितांत ज़रूरी है। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष, दोनों का ताकतवर होना ही वह संतुलन है जो जनतंत्र को सफल और सार्थक बनाता है। जब देश में कांग्रेस पार्टी का सत्ता पर लगभग एकाधिकार था, उन दिनों तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपने दल के निर्वाचित सांसदों से कहा था कि संसद में विपक्ष बहुत कमज़ोर है, इसलिए कांग्रेस के सदस्यों को विपक्ष की भूमिका भी निभानी होगी। विपक्ष की भूमिका से उनका मतलब सत्ता पर नज़र रखने से था। नेहरू अपनी मज़बूत सरकार चाहते थे, पर साथ ही वे यह भी मानते थे कि मज़बूत विपक्ष भी जनतंत्र की आवश्यकता है।

आज भी संसद में भारतीय जनता पार्टी भारी बहुमत से सत्ता में है और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के पास बहुत कम सीटें हैं। स्थिति असंतुलित जनतंत्र की है, इसलिए यह खतरा हर समय बना रहेगा कि सत्तारूढ़ पक्ष मनमानी पर न उतर आये। भाजपा सरकार जब 2014 में सत्ता में आयी थी तो चुनाव के दौरान उसने कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा दिया था। आज देश में कुल दो राज्यों में कांग्रेस सरकार बची है। अर्थात् कांग्रेस-मुक्त भारत जैसी स्थिति लगभग बन ही गयी है। विपक्ष में और भी कोई दल ऐसा नहीं दिख रहा जो भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में हो। पंजाब में आम आदमी पार्टी की विजय के बाद वह अखिल भारतीय स्तर पर अपनी विजय के सपने अवश्य देखने लगी है, पर मात्र दिल्ली और पंजाब की अपनी 'पूंजी' की सीमाओं से वह अपरिचित नहीं होगी। ऐसे में सत्तारूढ़ दल का उच्छृंखल हो जाना भी अस्वाभाविक नहीं कहा जायेगा। इसी स्थिति का तकाज़ा है कि सभी राजनीतिक दल अपने भीतर झांकें। सत्तारूढ़ दल को अपने ऊपर अंकुश रखना है और विपक्ष को स्वयं को फिर से मज़बूत बनाना है।

दुर्भाग्य से ऐसा होता नहीं दिख रहा। चार राज्यों में विजय के बाद भाजपा के सांसदों ने जिस तरह संसद में 'मोदी-मोदी' के नारे लगाकर अपने 'सेनापति' का अभिनंदन किया वह उचित नहीं कहा जा सकता। विजय प्रसन्न होने तथा संतुष्टि का भाव देने वाली होती है। पर यह भी ज़रूरी है कि हर विजय के बाद विजयी कृतज्ञता के भाव से भरा दिखाई दे। उस दिन भाजपाई सांसदों-नेताओं में यह भाव दिखा नहीं। दिखना चाहिए।

जहां तक विपक्ष का सवाल है, कांग्रेस कार्य-समिति की बैठक में भी आत्म-निरीक्षण जैसी प्रक्रिया का अभाव ही दिखा। कांग्रेस-अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में पद छोड़ने की बात तो कही, पर साथ ही 'यदि आप चाहें तो' जैसी शर्त भी लगा दी। हो सकता है संसद के मौजूदा सत्र के बाद होने वाले चिंतन-शिविर में ऐसा कुछ हो, पर कांग्रेस पार्टी को समझना होगा कि देश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति में वह अलग-थलग पड़ रही है। उत्तर प्रदेश चुनाव में मात्र दो प्रतिशत वोट शेयर पाना कांग्रेस जैसे दल के लिए चिंतन ही नहीं, चिंता का विषय होना चाहिए। इस चिंता का संकेत तो दिया है पार्टी ने, पर चिंता का परिणाम भी सामने आना चाहिए। इस संदर्भ में उसे जो कुछ करना है, वह जल्दी भी होना ज़रूरी है।

उत्तर प्रदेश में अधिसंख्य कांग्रेसी उम्मीदवारों की ज़मानत जब्त होना कांग्रेस की अपर्याप्त तैयारी का ही संकेत नहीं है, मतदाता की अपेक्षाओं पर उसके खरा न उतरने का प्रमाण भी है। अब इस स्थिति के लिए उत्तरदायित्व तय होने के साथ ही उन कारणों का लेखा-जोखा भी हो जो ऐसी स्थिति उत्पन्न करते हैं।

मज़बूत विपक्ष का होना जनतंत्र की सफलता की एक महत्वपूर्ण शर्त है, पर विपक्ष के मज़बूत होने का दायित्व मतदाता का नहीं, स्वयं विपक्ष का है। सही है कि मतदाता ने महंगाई, बेरोज़गारी, किसान-समस्या जैसे मुद्दों की गम्भीरता को नहीं समझा, पर समूचा विपक्ष इस गम्भीरता को समझाने में भी विफल रहा। इन चुनावों में, खासकर उत्तर प्रदेश में, कानून-व्यवस्था और सरकारी योजनाओं को 'लाभार्थियों' के मुद्दों का सत्तारूढ़ दल को पर्याप्त लाभ मिला, पर धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण और 'बुलडोज़री' तौर-तरीकों का भी फायदा सत्ता-पक्ष ने भरपूर उठाया है। विपक्ष को यह भी सोचना-समझना होगा कि इस तरह की रणनीति का मुकाबला कैसे हो। सच तो यह है कि उत्तर प्रदेश, और बाकी राज्यों में भी, भाजपा की जीत का बड़ा कारण विपक्ष की अक्षमता ही है- इस हार में सबसे बड़ा योगदान भी विपक्ष का ही रहा है। अब विपक्ष को अपने तौर-तरीके व सोच बदलनी होगी, नयी रणनीति बनानी होगी। भारत की भावी राजनीति का दारोमदार भाजपा पर नहीं, विपक्ष के समझे-किये पर निर्भर करेगा। पांच राज्यों के चुनाव-परिणाम विपक्ष के लिए एक चेतावनी हैं। उम्मीद है वह इस चेतावनी को समझेगा।

वैवाहिक परिसर में दिखाई दिया तेंदुआ, क्षेत्र में मचा हड़कंप

वन विभाग ने रहवासियों को दी सतर्क रहने की हिदायत

माही की गूंज, रतलाम।

शहर के सागोद रोड स्थित एक मैरिज गार्डन में मंगलवार-बुधवार रात तेंदुआ दिखने से क्षेत्र के रहवासियों में हड़कंप मचा हुआ है। मामले की खबर मिलते पर वन विभाग अमला मौके पर पहुंचा। वहीं वन विभाग ने क्षेत्र के रहवासियों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। जानकारी अनुसार शहर के एक वैवाहिक स्थल जेएमडी पैलेस परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में बीती रात एक तेंदुए की गतिविधि कैद हुई। पैलेस में मौजूद कर्मचारी पहले इसे कुत्ता समझ रहे थे। लेकिन वीडियो को ध्यान से देखने पर कर्मचारियों के माथे पर पसीना चुह-चुहाने लगा कि, जब उन्हें पता चला कि सीसीटीवी फुटेज के वीडियो में परिसर में घूम रहा कुत्ता नहीं एक तेंदुआ है।

बात की खबर देखते ही देखते क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। वहीं सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची जहां टीम ने परिसर में दिखाई दिए जानवर के पदचिन्हों को देखकर तेंदुए के होने की पुष्टि की। इसके बाद टीम ने आसपास के रहवासियों को अलर्ट किया। वन विभाग की टीम क्षेत्र में तेदुंए को लेकर सर्च कर रही है और आसपास के क्षेत्रों में लोगों के सचेत भी कर रही है। वहीं वन विभाग के अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर वनविभाग के अधिकारियों के मोबाइल नंबर जारी कर रहवासियों को सतर्क सचेत और सावधान रहने की चेतावनी देते हुए तेंदुएं के दिखाई देने पर दिए गए नम्बरों पर सूचना देने की गुजारिश की।

तत्कालीन थाना प्रभारी पर गोली चलाने वाला कुख्यात अपराधी पुलिस की गिरफ्त में

आरोपी अमजद लाला के विरुद्ध पंजीबद्ध है एक दर्जन से अधिक मामले

माही की गूंज, मंदसौर।

पुलिस महानिरिक्षक उज्जेन झोन उज्जेन संतोष कुमार सिह, पुलिस उप महानिरिक्षक रतलाम रेंज सुशांत कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में मंदसौर जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के द्वारा जिले में आगमन के बाद से ही जिले के फरार अपराधियों की धरपकड़ हेतु स्पष्ट निर्देश देते हुए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी अनुक्रम मे जिले के एक कुख्यात अपराधी जो सितामऊ गोली कांड मे फरार होकर 50 हजार रुपए का फरार अरोपी जिसे मंदसौर पुलिस के द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करते हुए रंगे हाथो गिरफ्तार करने मे महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की गई है।

2016 से फरार कुख्यात अपराधी

वर्ष 2018 से थाना कोतवाली के दादु अपहरण कांड का प्रमुख आरोपी जिस पर अपराध क्रमांक 185/18 धारा 365, 364-ए, 34 आईपीसी दर्ज होकर फरार आरोपी अमजद लाला को 23 नवम्बर 2020 को तत्कालीन थाना प्रभारी सीतामऊ द्वारा पकड़ने के प्रयास मे आरोपी ने अपने साथियों के साथ पुलिस बल पर जान से मारने की नियत से पिस्टल से फायर किया था। जिससे गोली निरीक्षक अमित सोनी को छू कर निकली थी वरना गोली से टीआई छलनी हो जाते ओर आरोपी अमजद लाला मौके से फरार हो गया था। उक्त घटना पर थाना सीतामऊ मे अप.क्र. 674/20 धारा 307, 147, 148, 149, 353, 332 आईपीसी व 25, 27 आर्म्स एक्ट का दर्ज कर अनुसंधान मे लिया गया था।

टीआई पर पिस्टल से फायर करने वाला कुख्यात आरोपी अमजद पिता अजगर खान एक कुख्यात अपराधी होकर आदतन बदमाश है।

गाँव की बेटी पुरुस्कार का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, भानपुरा।

शासकिय प्राथमिक विद्यालय धावद बुजुर्ग में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरुस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से गाँव की बेटी पुरुस्कार की शुरुआत की गई। जिसमें गाँव की जो भी बेटी 10 वी पास करेगी उसको 2 हजार 500 रुपए का नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी व 12 वी पास करने वाली बेटी को 5 हजार रुपये और ट्रॉफी दी जाएगी। विद्यालय परिवार ने यह पुरुस्कार सोना अहीरवाल को देकर इसकी शुरुआत कि। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस थाना गांधीसागर प्रभारी लाखनसिंह राजपूत एवं वशेष अतिथि के रूप में जितेन्द्र पुरोहित, हर्षवर्धन चौरड़िया भीमसेन वधवा, जगदीश गायरी एवं गंगाराम गुर्जर आदि अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ शाला प्रभारी जगदीश पाटीदार द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर दंपत्ति ने काली कमाई से बनाई करोड़ों की संपत्ति

जबलपुर।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर दंपत्ति पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगा है, राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने बुधवार सुबह डॉक्टर दंपत्ति के घर इस मामले में छापेमारी की। मेडिकल कॉलेज में पदस्थ डॉक्टर अशोक साहू और उनकी पत्नी डॉक्टर तृप्ति गुप्ता की वैध स्त्रोत से प्राप्त कुल आय 3 करोड़, 15 लाख, 13 हजार, 308 रुपये हैं लेकिन छापेमारी में 5 करोड़, 44 लाख, 22 हजार, 521 रुपये की चल-अचल संपत्ति का पता चला है.

ईओडब्ल्यू एसपी देवेंद्र सिंह राजपूत के मुताबिक मेडिकल कॉलेज की पूर्व प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. तृप्ति गुप्ता और उनके पति मेडिकल के बायोकेमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक साहू के घर पर बुधवार सुबह 4 बजे ईओडब्ल्यू की टीम ने सर्च शुरू की, कार्रवाई में टीम को डॉक्टर दंपत्ति के भ्रष्टाचार करके कमाई गई करोड़ों रुपए की संपत्ति का पता चला है। सर्च कार्रवाई अभी जारी है, जिसमें और भी खुलासे होने की उम्मीद है, इस छापामार कार्रवाई से पूरे मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मचा हुआ है.

दंपत्ति के खिलाफ मिली थी शिकायत

एसपी देवेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि, ईओडब्ल्यू को जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर दंपत्ति डॉक्टर अशोक साहू और डॉक्टर तृप्ति गुप्ता के खिलाफभ्रष्टाचार से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई थी. शिकायत की जांच निरीक्षक स्वर्ण जीत सिंह धामी ने की. जांच में पाया गया कि डॉ. अशोक साहू और डॉ. तृप्ति गुप्ता की चेक पीरियड में वैध स्त्रोत से प्राप्त कुल आय 3 करोड़, 15 लाख, 13 हजार, 308 रुपये थी, लेकिन इस अवधि में इन्होंने कुल 5 करोड़, 44 लाख, 22 हजार, 521 रुपये की संपत्ति अर्जित और व्यय करने की जानकारी मिली. पहली नजर में आरोपियों के उनकी आय के वैध स्त्रोतों से 72 प्रतिशत अधिक व्यय और संपत्ति अर्जित करना प्रमाणित पाये जाने पर उनके खिलाफधारा 29 / 22, धारा 13 (1) बी, 13 (2) अनिअ 1988 संशोधित अधिनियम, 2018 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

हजरत नाहर सैयद राष्ट्रीय एकता मेले का आज तीसरा दिन

माही की गूंज, मंदसौर।

तीन दिनी हजरत नाहर सैयद राष्ट्रीय एकता मेले का मंगलवार से शुभारंभ हो गया। पहले दिन कलेक्टर सहित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने चादर पेश की। इसके बाद कुरआन ख्वानी सहित अन्य आयोजन हुए। इधर, नपा ने करीब 120 से अधिक दुकानें आवंटित कर दी हैं, आज महिफ्ल-ए-कव्वाली कार्यक्रम होगा। कोरोना काल के बाद आयोजित होने वाले मेले को लेकर लोगों में काफी उत्साह नजर आ रहा है। हिंदू-मुस्लिम कौमी एकता की प्रतीक हजरत नाहर सैयद दरगाह पर नाहर सैयद दरगाह कमेटी द्वारा शुभारंभ के मौके पर चादर पेश की और देश में अमन की दुआ की। कलेक्टर गौतमसिंह, एसपी अनुराग सुजानिया, वकीलउद्दीन मियांजी सरकार, शहर काजी आसिफुल्लाह, नपा सीएमओ प्रेमकुमार सुमन, जिला वक्फबोर्ड अध्यक्ष भूरे खां मेव ने नाहर सैयद बाबा के आस्ताने पर चादर पेश की। इसके पूर्व जिला वक्फबोर्ड अध्यक्ष मेव के निवास स्थान से सादगीपूर्ण रूप से चादर को पेश करने हेतु जुलूस निकाला। बैंडबाजे के साथ जुलूस नाहर सैयद दरगाह पहुंचा। नाहर सैयद दरगाह परिसर में हिंदू-मुस्लिम मजहब के लोगों ने चादर के जुलूस की अगवानी की।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनने पर मोरटे का किया स्वागत

माही की गूंज, शुजालपुर।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित सफाई मजदूर कामगार कांग्रेस का जिला अध्यक्ष नियुक्त होने पर शहर में जगह-जगह अजय मोरटे का स्वागत किया गया। सर्वप्रथम ग्राम खेड़ी नगर मित्र मंडल द्वारा काली मंदिर चौराहे पर, वाल्मीकि मित्र मंडल द्वारा अस्पताल चौराहे पर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गजेंद्र सिंह सीसोदिया द्वारा अपने फॉर्म हाउस पर, काजीपुरा मित्र मंडल द्वारा बावड़ी पर व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा महाकाल सदन पर मोर्टे का स्वागत किया किया गया। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गजेंद्र सिंह सिसोदिया, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मंगल सिंह राठौर, पूर्व नप प्रत्याशी महेंद्र नाहर, पार्षद गण पप्पू परमार, प्रवीण जोशी, पूर्व सरपंच राम नारायण परमार, बलवीर सिंह चंदेल, जितेंद्र सिसोदिया, रईस पठान, मोहनलाल धनगर, विष्णु शर्मा, विशाल शर्मा, रवि जैन, राहुल बिलवान, अनिल बरोलिया, राहुल सूर्यवंशी, सुनील वाल्मीकि, सुखराम जियाजी, मुकेश धनवाल, संदीप, जीतू, अमर, जितेंद्र यादव, अजय अहिरवार, अंकित करोसिया, अन्ना बिलवान, सूरज सूर्यवंशी आदि लोग उपस्थित थे।

विधानसभा का बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

भोपाल।

भारी हंगामे के बीच बुधवार को विधानसभा का बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सत्र के दौरान कांग्रेसी विधायकों ने जमकर हंगामा किया। पार्टी विधायक सुरेश राजे और मनोज चावला आसंदी के सामने लेट गए। कांग्रेस के दूसरे विधायकों ने भी आसंदी के सामने नारेबाजी की। कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अभिभाषण का बहिष्कार किया था। विधानसभा ने पटवारी को नोटिस जारी किया है। इस मुद्दे को कांग्रेस ने सदन में उठाते हुए विरोध दर्ज कराकर वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस का कहना है कि यह कार्रवाई नियम विरुद्ध की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले आतंकियों का खौफ

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर में अगले 8 महीने के भीतर विधानसभा चुनाव कराने का ऐलान किया गया है। लेकिन पंच-सरपंचों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। इस महीने ही दक्षिण कश्मीर में आतंकियों ने तीन सरपंचों की हत्या कर दी। हालत ये हैं कि, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, बारामुला, बड़गाम, कुपवाड़ा, पुलवामा और श्रीनगर के पंच-सरपंच अपने परिवारों से दूर पुलिस की सुरक्षा में छिपने को मजबूर हैं। जम्मू-कश्मीर पंचायत कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन शफीक मीर का कहना है कि, 2012 से अब तक कश्मीर में 24 पंच-सरपंचों की हत्याएं हो चुकी हैं। जम्मू-कश्मीर में जब भी चुनाव प्रक्रिया शुरू होने की कवायद होती है आतंकी पंच-सरपंचों को निशाना बनाने लगते हैं। पंचायतों के सदस्य चुनाव प्रक्रिया में आम वोटर्स को शामिल करने का काम करते हैं।

नफ़रत फैलाकर सोशल मीडिया दे रहे चुनाव में दखल, रोक लगाए सरकार - सोनिया गांधी

नई दिल्ली । कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने चुनाव में फेसबुक जैसी सोशल मीडिया कंपनियों के प्रभाव को खत्म करने की मांग सरकार से की है। लोकसभा में सोनिया गांधी ने कहा कि, मैं सरकार से मांग करती हूं कि वह चुनाव में फेसबुक एवं अन्य सोशल मीडिया कंपनियों के दखल को खत्म करने के लिए कदम उठाए, लोगों के दिमाग को नफरत से भरा जा रहा है, उन लोगों को भावुकता से भरी गलत जानकारियां दी जा रही हैं। फेसबुक जैसी कंपनियां ऐसी गलत चीजों से फायदा उठा रही हैं। सोनिया गांधी ने इस दौरान सोशल मीडिया कंपनियों, सरकार और कॉरपोरेट के गठजोड़ की भी बात कही। सोनिया गांधी ने कहा कि, यह बात कई बार कही गई है कि सोशल मीडिया कंपनियां सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर नहीं मुहैया कराती हैं, जिस तरह से सत्ता प्रतिष्ठान के साथ मिलकर फेसबुक की ओर से सामाजिक सद्भाव को खत्म किया जा रहा है, वह बहुत गलत है, इस तरह का गठजोड़ देश के लिए खतरनाक है। सोशल मीडिया कंपनियों पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि, इनकी ओर से लोकतंत्र को हैक किया जा रहा है। फेसबुक और ट्वीटर जैसी कंपनियां कुछ नेताओं के नैरेटिव को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

गांधीसागर अभयारण्य में पक्षी गणना सम्पन्न

माही की गूंज, भानपुरा।

गांधीसागर अभयारण्य क्षेत्र में चल रही पक्षी गणना रविवार को पूरी हुई। इस दौरान लगभग 235 प्रजातियों के पक्षियों के अभयारण्य में होने की पुष्टि हुई हैं। इंदौर के एनजीओ द्वारा कराई गई गणना में न्यूजीलेंड के एक पक्षी विशेषज्ञ सहित देश भर से आए 80 विशेषज्ञ शामिल हुए। अब एक सप्ताह में प्रजातिवार पूरी सूची व आंकड़े वन विभाग को मिलेंगे। गांधीसागर अभयारण्य में तीन दिन तक चली पक्षी गणना का समापन रविवार को हुआ। अभयारण्य में 11 मार्च से 13 मार्च तक चयनित वन क्षेत्र में पक्षी गणना का कार्य देशभर के विभिन्ना राज्यों से आए 80 पक्षी विशेषज्ञों ने किया। इनमें एक विशेषज्ञ न्यूजीलेंड के भी थे। पक्षी विशेषज्ञों ने सुबह 6 बजे से 10 बजे तक एवं शाम 4 बजे से 7 बजे तक दो पारियों में इएप पर सर्वे किया। इस दौरान अभयारण्य क्षेत्र में पक्षियों की 235 प्रजातियां मिली हैं। इससे पहले फरवरी 2021 में हुई गणना में 236 प्रजाति के पक्षी मिले थे। रेंजर पीएल रायकवार एवं अमित खन्ना ने बताया कि, एनजीओ इंदौर द्वारा उच्चाधिकारियों की अनुमति के पश्चात यह पक्षी सर्वे किया है इसमें स्थानीय स्तर के वनविभाग के स्टाफने चयनित एव निर्धारित मार्ग पर सर्वे किया गया है। अभी गणना में 235 प्रजाति के पक्षियों के आंकड़े एनजीओ ने उपलब्ध कराए हैं।

पक्षियों की प्रजातिवार सूची एक सप्ताह में मिलेगी

एनजीओ द्वारा एक सप्ताह बाद वास्तविक गणना रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी। इस सूची में प्रजातिवार एवं विलुप्त प्रजाति के पक्षियों की जानकारी भी दी जाएगी। 13 मार्च को समापन पर वन विभाग विश्राम गृह में अतिथि अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक उज्जैन कमालिका मोहंता, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक इंदौर एसएस मोहंता एवं मंदसौर डीएफओ आदर्श श्रीवास्तव, गेम रेंजर पीएल रायकवार एवं अमित खन्ना उपस्थित थे।

गिद्धों की प्रजातियां विलुप्त होना चिंता का विषय

कमालिका मोहंता ने पक्षियों के जीवन के बारे मे बताते हुए कहा कि, हमारे जीवन में इन पक्षियों का भी बहुमुल्य योगदान है। हानिकारक जलीय जंतुओं को खाकर जलीय पौधों की वृद्धि में इनका योगदान रहता है। कई प्रजातियों के फल खाकर उनके अंकूरण में एवं परागण एवं बीजों के प्रकीर्णन में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। साथ ही आज चिंता का विषय है कि हमारे सामने कई संकटापन्ना पक्षी जिसमे प्रमुखता से गिद्ध प्रजाति के विलुप्त होने से काफी परेशानी हो रही हैं। गांवों के बाहर मृत मवेशियों की देह की दुर्गंध एवं बीमारियों के विषाणुओं की उत्पत्ति से मानव स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव हो रहा है। अतिथियों ने पक्षी विशेषज्ञों के साथ स्थानीय विभागीय कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। आभार गेम रेंजर पीएल रायकवार ने माना।

शातिर चैन स्नेचर गिरफ्तार, लूट की 2 सोने की चैन बरामद

माही की गूंज, खरगोन।

पुलिस अधीक्षक खरगोन सिद्धार्थ चौधरी द्वारा सम्पत्ति संबधी अपराधो विशेषतः चैन स्नेचिंग की घटनाओ पर अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया गया था। इन निर्देशों के पालन मे अति पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) जितेन्द्रसिंह पंवार, अति पुलिस अधीक्षक (शहर) डॉ. नीरज चौरसिया के मार्गदर्शन में जिले के समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) व समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया। जिसके परिणामस्वरूप थाना कोतवाली खरगोन की चैन स्नेचरो के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की गई है।

6 मार्च को शास्त्री नगर खरगोन की फरियादीया द्वारा रिपोर्ट की गई कि, डायवर्सन रोड माली बिल्डीग मटेरियल दुकान के पास खरगोन पर अज्ञात दो व्यक्ति मोटर सायकल पर सवार होकर आये और गले में पहनी सोने की चैन झपटा मारकर छीनकर ले गये। फरियादीयाँ कि रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 149/2022 धारा 392 भादवि का अज्ञात आरोपी के विरुद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी एवं अतिरिक्त पुलिस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) नीरज चौरसिया एवं अनुविभगीय अधिकारी पुलिस रोहित अलावा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बीएल मण्डलोई द्वारा टीम गठित की गई। गठित टीम के द्वारा वीडियो फुटेज के आधार पर घटना में उपयोग की गई मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 9 एनसी 8545 की विवेचना में तस्दीक की गई। तस्दीक के दौरान आरटीओ इन्दौर से जानकारी प्राप्त करते उक्त नम्बर की मोटर सायकल हीरो होण्डा स्पलेण्डर प्लस मोहन लाल निवासी सावेर के नाम पर दर्ज होना पाया गया। गठित टीम द्वारा सावेर पहुंचकर तस्दीक करते फुटेज में दिख रहे व्यक्ति को मोहनलाल को दिखाई गई तो उसके द्वारा बताया गया कि फुटेज में दिख रहे व्यक्ति का नाम जितेन्द्र उर्फ जितु उर्फभीमा बलाई है जो कि नई आबादी सावेर में रहता है जिसका मेरे लड़के राजेश चौधरी से पूर्व का विवाद भी है और यह मेरे बेटे से रंजिश भी रखते हैं।

इसीलिए शायद इन्होंने हमारी मोटर साइकल के नबर प्लेट का नंबर अपनी मोटर साइकल पर फर्जी तरीके से लगा कर घटना की है। पुर्व में भी चैन लुटने की घटना में इन्दौर, उज्जैन में बंद होना बताया। जानकारी के आधार पर संदेही जितेन्द्र पिता मोतीलाल को उसके निवास से अभिरक्षा में लेकर वैज्ञानिक तरीके से पुछताछ करने पर अपराध स्वीकार किया एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकिल उसके स्वयं की मोटर सायकिल होण्डा सीबी साईन एमपी 9 एक्सएफ8732 से उसके साथी जगीरा उर्फसाकीर निवासी नई आबादी सावेर के साथ राजेश चौधरी की मोटर सायकिल की नम्बर प्लेट लगाकर घटना कारित करना बताया तथा लुटी गई चैन बैचने के लिये घर पर रखना बताया।

आरोपी जितेन्द्र निवासी नई आबादी चन्द्रभागा सावेर रोड इन्दौर को गिरफ्तार कर लुटी गई चैन व घटना में उपयोग की गई मोटर सायकल को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर अन्य अपराधों के संबध में पुछताछ की गई जो आरोपी व उसके साथी जगीरा द्वारा लगभग एक वर्ष पूर्व गायत्री मंदिर के पास डायवर्सन रोड खरगोन से स्कुटी सवार महिला के गले से चैन लुटना बताया। इस चैन आरोपी के घर से बरामद की गई। आरोपी का साथी जगीरा फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। आरोपी द्वारा किसी अन्य के नाम दर्ज नम्बर प्लेट लगाकर अपराध घटित करना स्वीकार करने पर प्रकरण में धारा 420 भादवि का इजाफा किया गया। आरोपी को न्यायालय पेश कर अन्य घटनाओं के बारे में पुछताछ की जा रही है। आरोपी जितेन्द्र का खरगोन में ससुराल होने सें उसे खरगोन की भौगोलिक स्थिती की भलि-भाँति जानकारी होने से खरगोन में उसके द्वारा किसी प्रकार की अन्य घटना करने की सम्भावना होने से न्यायालय से पीआर प्राप्त कर पुछताछ की जावेगी । कार्यावाही में एसडीओपी रोहित अलावा के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी कोतवाली खरगोन बीएल मण्डलोई के नेतृत्व में चौकी प्रभारी जैतापुर उनि. प्रवीण आर्य, उनि. राजेन्द्र सिरसाठ, उनि. आत्माराम असवारे, उनि दिवानसिह नरगाँवे, सउनि दिलीप ठाकरे, प्रआर मनोज, प्रआर कोटवाल डावर, आर. रविन्द्र, अजय सिरोही, संतोष शुक्ला, जीवन परिहार, कन्हैया नागर, मनोज आर. दुर्गेश व ओमप्रकाश, चेतराम, चंद्रकांत पाटील सायबर सेल खरगोन उनि दीपक यादव, उनि. सुदर्शन कलोसिया, प्रआर आशीष अजनारे, आर. 275 अभिलाष डोंगरे, आर 10 मगन, आर 238 विजयेन्द्र, आर. सोनू एवं सीसीटीव्ही कन्ट्रोल रुम खरगोनः प्र.आर.रोहिदास चौहान, आरक्षक सचिन चौधरी, आर. सतीश शर्मा ,आरक्षक राजेश चौधरी का विशेष योगदान रहा।

ग्रुप एडमिन सावधानः धर्मसंप्रदाय की आपत्तिजनक टिप्पणी और फोटो वीडियो न करे शेयर-एसपी ने दिए आदेश

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन जिला साम्प्रदायिक रूप से अतिसंवेदनशील होने से छोटी से छोटी घटनाओं पर तनाव की स्थिति निर्मित होती है। साथ ही धार्मिक त्योहारों एवं अन्य अवसरों पर विभिन्न संगठनों के आयोजकों द्वारा बिना अनुमति के मार्गों पर रैली, अखाड़े, जुलूस, रात्रि जागरण, तकरीर शोभायात्रा, धरना प्रदर्शन आदि आयोजन होने से यातायात अवरुद्ध होता है जिससे आम जनता को अकारण परेशानी होती है।

इस संबंध में खरगोन पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला प्रशासन को पत्र लिखा गया है। इसके आधार पर अपर कलेक्टर एसएस मुजाल्दा ने दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144(2) के तहत आदेश जारी किया है। जो पूरे खरगोन जिले की राजस्व सीमा में लागू होगा। आदेश के तहत अब व्हाट्सअप ग्रुप के एडमिन को सतर्क होने की आवश्यकता है। आदेशानुसार व्हाट्सअप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्वीटर आदि यूजर द्वारा कोई ऐसा आपत्तिजनक पोस्ट जिससे धार्मिक भावना भड़के एवं किसी सम्प्रदाय विशेष की भावना उद्वेलित हो ऐसे पोस्ट को प्रसारित नहीं करेगा एवं आपत्तिजनक टीका-टिप्पणी वर्जित होगी। साथ ही व्हाट्सअप ग्रुप एडमिन तथा ग्रुप से जुड़े यूजर्स धार्मिक भावना भड़काने वाले पोस्ट को प्रसारित नहीं करेगा एवं ग्रुप के यूजर को ऐसा करने से रोकेगा। ग्रुप एडमिन व्हाट्सअप/फेसबुक एवं अन्य बनाये गए ग्रुप मुखिया होता है। यदि उसके ग्रुप का कोई भी सदस्य धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला अथवा संदेश/फोटो/वीडियो डालता है तो ग्रुप की जवाबदारी होगी कि संबंधित सदस्य के विरूद्ध आपत्तिजनक पोस्ट के संदर्भ में निकटतम थाने में सूचना दर्ज कराएगा। ग्रुप एडमिन द्वारा ऐसी कार्यवाही नहीं करने की स्थिति में ग्रुप एडमिन भी घटना के लिए जिम्मेदार होगा। व्हाट्सअप/फेसबुक पर किसी भी धर्म स्मप्रदाय के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी या चित्र फॉरवर्ड/लाईक अथवा शेयर नहीं करेगा। सोशल मीडिया पर आये संदेश कई बार षडयंत्र के तहत भेजे जाते हैं। इन पर आपत्तिजनक प्रतिक्रिया देना प्रतिबंधित किया जाता है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश 15 मार्च से आगामी आदेश तक के लिए प्रभावशील रहेगा।

सांसद ने संसद में रेल अनुदान की चर्चा में प्रस्तुत किया अपना विजन

माही की गूंज, बड़वानी।

लोकसभा सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल ने बुधवार को संसद में रेल-अनुदान संबंधी मांग पर चर्चा करते हुए आजादी के अमृत महोत्सव में नवीन भारत की कल्पना करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी को अपने लोकसभा क्षेत्र खरगोन एवं बड़वानी की जनता की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान उन्होने देश के विकास के लिये रेल मार्गो को आवश्यक बताते हुये आकांक्षी जिलें बड़वानी का उल्लेख करते हुए जनजातीय क्षेत्रों के लिये रेल लाईन के विषय में अपना विजन सदन के सामने प्रस्तुत किया।

सदन को अवगत कराते हुये श्री पटेल ने बताया कि, निमाड़ में रेल लाइन का प्रयास निमाड़ के गांधी कहलाने वाले भाजपा के पूर्व सांसद रामचन्द्र विठ्ठल बड़े एवं पूर्व सांसद स्व. रामेश्वर पाटीदार के समय से चल रहा है। खंडवा से धार व्हाया खरगोन-बड़वानी के रास्ते नये रेल लाईन का इंजीनियरिंग सर्वेक्षण वर्ष 2010 में सेंट्रल रेलवे द्वारा पूर्ण कर लिया गया था। इस रिपोर्ट के अनुसार रेट आफरिटर्न माइनस 3.34 प्रतिशत निकालकर वास्तविक रिपोर्ट के स्थान पर असत्य निगेटिव रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया था, जिसके कारण निमाड़ का यह क्षेत्र दशको से उपेक्षित रहा है। किन्तु अब वर्तमान सरकार ने पुनः इस रेलवे लाइन का सर्वेक्षण कराने का जो निर्णय किया है, उससे उनके लोकसभा क्षेत्र की जनता बेहद खुश है। इस दौरान उन्होने इंदौर-मनमाड़ रेल लाईन, धार-छोटा उदयपुर रेल लाईन, अलीराजपुर से बड़वानी मार्ग को जोड़ने का, ढाकलगांव एनटीपीसी रेलवे स्टेशन से खरगोन तक रेल मार्ग विस्तार के संदर्भ में भी विस्तार से अपना विजन प्रस्तुत किया।

रंगपंचमी को रहेगा अवकाश

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने जिले में वर्ष 2022 में मनाएं जाने वाले पर्वों और त्यौहारों पर स्थानीय अवकाश 17 जनवरी के आदेश से घोषित किए हैं। घोषित अवकाशों में 22 मार्च रंगपंचमी मंगलवार को संपूर्ण जिले में पूर्ण दिवस का अवकाश 2 अगस्त नागपंचमी पर केवल भीकनगांव अनुभाग में पूर्ण दिवस का अवकाश, 13 अगस्त शिवडोले पर खरगोन अनुभाग में पूर्ण दिवस का अवकाश रहेगा। इसी प्रकार 26 अगस्त को अहिल्या पर्व होने से मंडलेश्वर अनुभाग में पूर्ण दिवस का अवकाश तथा 25 अक्टूबर को दिपावली का दूसरे दिन संपूर्ण जिले में पूर्ण दिवस का अवकाश घोषित किया है। यह अवकाश बैंक एवं कोषालय पर लागू नहीं होंगे।

सीएम शिवराज के भगोरिया में आने के मद्देनजर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के 17 मार्च को पाटी के भगोरिया में आने की संभावना के मद्देनजर बुधवार को भी कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल के प्रतिनिधि एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम सोनी, जनपद पंचायत पाटी उपाध्यक्ष दीलू मालवीय, एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर ने बुधवार को भी पाटी पहुंचकर कार्यक्रम स्थल, हेलीपेड पर की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

ज्ञातव्य है कि, मुख्यमंत्री के आज के इस दौरे के लिये बोकराटा रोड़ पर स्थित एक खेत पर हैलीपेड बनाया गया है। वहीं मुख्यमंत्री का भगोरिया चल समारोह आईटीआई कालेज से प्रारंभ होकर स्वामी विवेकानंद शिक्षा निकेतन परिसर पाटी के मुख्य कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेगा। जहॉ पर जनजातीय बन्धु अपने पराम्परागत तरीके से मुख्यमंत्री जी का स्वागत ढोल-मादल से करेंगे। इस दौरान जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद्, भोपाल द्वारा 75वें आजादी अमृत महोत्सव के तहत बड़वानी जिले के भौंगर्या हाटों में भौंगर्या उत्सव करने हेतु भेजे गये विभिन्न जिलो के दलो द्वारा गोण्ड, बैगा, कोरकू, भील, भारिया जनजातियों के नृत्यों का प्रदर्शन भी किया जायेगा। इस दौरान जिले के दो दर्जन से अधिक ग्रामो से आये ढोल-मादल पर जनप्रतिनिधियो, स्थानीय जनजातीय भाईयो द्वारा भी अपना परम्परागत भौगंर्या नृत्य प्रस्तुत किया जायेगा।

मुख्यमंत्री का दौरा कार्यक्रम

मुख्यमंत्री श्री चौहान दोपहर 2 बजे हेलीकाफ्टर से पाटी पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रमो में भाग लेने के उपरान्त दोपहर साढ़े 3 बजे हेलीकाफ्टर से इन्दौर के लिये प्रस्थान करेंगे।

स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत सिंगलयूज प्लास्टिक बैन पर किया जन-जागरूकता कार्य

माही की गूंज, बड़वानी।

नगर को स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में नम्बर-1 बनाने का प्रयास सतत प्रारंभ है। इसके तहत समस्त नगर निकायो में सिंगलयूज प्लास्टिक को बैन करने की गतिविधियॉ चलाई जा रही है, वहीं मार्गो का सौन्दर्यीकरण भी करवाया जा रहा है।

इसके तहत बुधवार को मुख्य नगर पालिका बड़वानी में भी नगरपालिका अधिकारी कुशलसिंह डोडवे के निर्देशन में शहर को पॉलीथिन मुक्त बनाने के लिए शहर के मुख्य मार्गो पर रैली निकाली गई। इस दौरान दुकानदार, व्यापारियों को समझाइश दी गई कि पॉलीथिन का उपयोग न करें। उसके स्थान पर कागज या कपड़े से बनी थैली का उपयोग करें। इस दौरान टीम ने जिस दुकानदार के यहॉ सिंगलयूज प्लास्टिक का संग्रहण, विक्रय पाया, उसे तत्काल जप्त कर दुकानदार को भी समझाईश दी। कार्यवाही के दौरान निकाय के कर्मचारी एवं निकाय की सहयोगी स्वच्छता टीम डिवाइन भी उपस्थित थी।

60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग वाले नागरिकों को प्रिकॉशन डोज लगना हुआ प्रारंभ

माही की गूंज, खरगोन।

भारत शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार प्रदेश में 16 मार्च से 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के समस्त नागरिकों को कोविड-19 वैक्सीनेशन के प्रिकॉशन डोज लगाना प्रारंभ हुआ है। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन टीकाकरण संचालक डॉ. संतोष शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी है कि प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग वाले नागरिकों को प्रिकॉशन डोज लगाया जाएगा। जिसके लिए किसी भी चिकित्सीय प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। नागरिकों को प्रिकॉशन का डोज द्वितीय डोज के 9 माह अथवा 39 सप्ताह की अवधि पूर्ण होने के पश्चात ही लगाया जाएगा। ज्ञात हो कि 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग वाले नागरिकों को प्रिकॉशन डोज के रूप में वहीं वैक्सीन दी जाएगी जिस वैक्सीन का द्वितीय डोज दिया गया था। साथ ही पंजीयन प्रक्रिया पूर्ववत की तरह ऑनलाई एवं ऑनसाईट रहेगी। समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में संचालित कोविड-19 वैक्सीनेशन केन्द्र पर प्रिकॉशन डोज निशुल्क लगाया जाएगा। वहीं कोविड पॉजिटिव व्यक्ति के रिकवरी के पश्चात तीन माह अवधि पूण्र होने के पश्चात प्रिकॉशन डोज लगाया जाएगा। ज्ञात रहे कि नागरिक प्रिकॉशन डोज खाली पेट न लगाए। वहीं प्रदेश में 12 से 14 वर्ष आयुवर्ग वाले बालक बालिकाओं को कोविड-19 वैक्सीनेशन कोविन पोर्टल में आवश्यक संसोधन उपरांत प्रारंभ किया जाएगा। वर्ष 2008, 2009 तथा 15 मार्च 2010 तक जन्मे समस्त बालक बालिकाओं को कोर्बिवैक्स वैक्सीन से टीकाकृत किया जाएगा। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित कर उचित वातावरण निर्माण एवं सूचीकरण प्रारंभ कर दिया गया है। साथ ही बुधवार को आयोजित राष्ट्र स्तरीय प्रशिक्षण प्रश्चात समस्त जिले/ब्लॉक वं फ्रंटलाईन टीम के सदस्यों का उचित एवं आवश्यक प्रशिक्षण 22 मार्च तक पूर्ण किया जाएगा। इसके पश्चात प्रदेश में 12 से 14 वर्ष आयुवर्ग के बालक/बालिकाओं को कोविड-19 वैक्सीनेशन प्रारंभ किया जाएगा।

आजीविका मिशन की महिलाओं का ग्राम पंचायत की गतिविधियों में बढ़ा दखल

मोहम्मदपुर में महिलाएं संभाल रही जलकर की व्यवस्था

माही की गूंज, खरगोन।

वर्तमान दौर सशक्त महिलाओं का दौर है। इस दौर में महिलाएं कई स्तर पर पुरुषों के कम नहीं है और वे सशक्त होकर पुरूषों की तरह विशेषज्ञता के साथ कार्य करने में सफल हो रही है। इसका छोटा सा नमूना गोगांवा जनपद के मोहम्मदपुर की महिलाएं पेश कर रही हैं। भोले आजीविका स्व सहायता समूह से जुड़ी ये 11 महिलाएं पुरुषों से जो कार्य नहीं हुआ। वो करके दिखाने में कामयाबी हासिल कर रही है। इस समूह के साथ ग्राम पंचायत ने जनवरी 2022 में जलकर एकत्रीकरण के लिए अनुबंध किया। अनुबंध के मुताबिक फरवरी माह से महिलाओं ने अपना कार्य प्रारम्भ किया। समूह की सदस्य वंदना चौहान ने बताया कि समूह की सभी 11 महिलाएं पहले मज़दूरी का काम करती थी। लेकिन अब न सिर्फ गांव की नल-जल योजना के तहत घरेलू कनेक्शन का

संग्रहण का कार्य कर रही है बल्कि कई तरह के व्यावसाय से जुड़कर कार्य कर आमदनी बढ़ा रही है। फरवरी माह में कुल 450 घरों से 50 रुपये प्रति माह कर के रूप में 9 हजार रुपये एकत्रित किये हैं।

10 प्रतिशत राशि समूह की

मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के ब्लॉक मैनेजर गजेंद्र राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचायत के अनुबंध के मुताबिक जलकर की एकत्रित राशि में से 10 प्रतिशत अंश समूह का होता है। दिसम्बर 2018 में समूह बना है। इस समूह की सभी महिलाएं आज सिलाई, रेडीमेट गारमेंट, भैंस व बकरी पालन, कटलरी, होटल व्यवसाय और सब्जी दूध का व्यवसाय कर रही है। बैंक लिंकेज के द्वारा इन महिलाओं के जीवन में सुधार हो रहा है। अब पंचायत की गतिविधियों में भी सशक्त होकर दखल बढ़ गया है।

शांतिपूर्वक संपन्न हुआ भगोरिया

भाजपा, कांग्रेस तथा भील सेना ने ढोल मांदल पर निकाली गैर

आम्बुआ

अलीराजपुर

माही की गूंज, आम्बुआ।

आदिवासी संस्कृति का महापर्व भगौरिया आम्बुआ में पुलिस तथा प्रशासन की निगरानी में शांति पूर्वक संपन्न हुआ। मेले में विभिन्न प्रकार के खाद्य सामग्री के साथ-साथ खेल खिलौने की जमकर बिक्री हुई, ग्रामीणों ने मेले में झूले चकरी आदि का जमकर लुफ्त उठाया। भाजपा, कांग्रेस तथा भील सेना ने ढोल मांदल के साथ परंपरागत गेर निकाली।

आम्बुआ संवाददाता के अनुसार आम्बुआ में 15 मार्च को आदिवासी समुदाय का महापर्व भगौरिया सुबह लगभग 10 बजे से प्रारंभ हुआ। मेले में बाहर से अनेक छोटे-बड़े व्यापारियों ने खाद्य सामग्री के साथ-साथ खिलौने, कपड़े, फलों तथा मिठाई, नमकीन, ठंडई की दुकानें लगाई, जहां पर पूरे दिन भारी भीड़ रही तथा जमकर बिक्री हुई। ग्रामीणों ने झूले-चकरी का जमकर लुफ्त उठाया। भगौरिया मेले में छोटे-छोटे बच्चों के अलावा युवक-युवतियों तथा अनेक बुजुर्गों ने भी भाग लिया। मेले के समापन के पूर्व भाजपा, कांग्रेस तथा भील सेना ने ढोल मांदल की थाप पर बांसुरी की धुन पर नाचते हुए परंपरागत तरीके से गेर निकाली। भगौरिये में जिला प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन एवं ग्राम पंचायत की ओर से माकूल व्यवस्था की गई।

अलीराजपुर में भी रही भगोरिया की धुम

माही की गूंज, अलीराजपुर। जिला मुख्यालय पर लोक सांस्कृतिक महापर्व भगोरिया धूमधाम से मनाया गया। वही मेला ग्राउंड पर भी ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। जिला मुख्यालय पर भगोरिया हाट होने से जमकर उत्साह देखने को मिला। जहां कांग्रेस की ओर से महेश पटेल व विधायक मुकेश पटेल, पुष्पराज पटेल, द्वारा गैर निकाली गई। सिनेमा चौराहा स्थित कांग्रेस कार्यालय पर जिला कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष महेश पटेल ने बाहर से आने वाले ग्रामीणों का स्वागत कर पर्व की शुभकामना दी। नगर में सुबह से शाम तक ग्रामीणों पर भगोरिया का रंग चढ़ा रहा। दोपहर में तेज कदम अपने आप ही मेला स्थल पुरानी जिला पंचायत परिसर की ओर बढ़ गए। जहां पर झूले चकरी और खाने पीने की सामग्रियों का आनंद उठाया गया।

पारंपरिक वेशभूषा में दिखे कांग्रेसी

सिनेमा चौराहा स्थित कांग्रेस कार्यालय पर सुबह से ग्रामीणों का आना-जाना शुरू हुआ। यहां पर मांदल की धुन ने उपस्थित ग्रामीणों को नाचने पर मजबूर कर दिया। पर्व के चलते पूर्व जिलाध्यक्ष महेश पटेल, पुष्पराज पटेल आलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल, सेना पटेल व अन्य कांग्रेस नेताओं ने ढोल मांदल पर नृत्य कर पर्व का आनंद उठाया। इस दौरान वहां पर कांग्रेस कार्यालय पर बाहर से आए ग्रामीणों के लिए स्वल्पहार के साथ शीत पेय पदार्थ की भी व्यवस्था की गई थी।

भाजपा-कांग्रेस ने चलते जमाया रंग

बस स्टैंड पर ढोल-मांदल और नेताओं बांसुरी बजाते हुए ग्रामीणों ने अभिवादन नभगोरिया का रंग जमाया। यहां पर भाजपा की गेर में भाजपा प्रदेश ओर उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक चौहान सबनानी द्वारा मांदल भी बजाई गई। इसी युवा दौरान पूर्व विधायक चौहान को सांसद उनके समर्थकों ने कंधे पर बिठाकर पंचायत जमकर नत्य किया। भगोरिया के चलते भाजपा की और से बस स्टैंड पर क्षेत्र को फ्लेक्स झंडों से सजाया गया। यहाँ एक बड़ा मंच भी बनाया गया था। जहाँ भाजपा नेताओं ने पहुंचकर ग्रामीणों का अभिवादन कर उन्हें भगोरिया पर्व की शुभकामनाएं दी। वहीं भील सेना संगठन के सुप्रिमो शंकर बामनिया भी अपने सेकडो समर्थकों के साथ टंटीया मामा चोराहा से गैर निकालकर मेला ग्राउंड तक पहुंचे।

गूंज असरः स्कूल में हैण्डवॉश स्टैंड की मोटर हुई चालू

बच्चों तथा शिक्षकों में हर्ष, पानी की जांच में कोई खराबी नहीं

माही की गूंज, आम्बुआ।

स्थानीय बस स्टैंड के समीप स्थित प्राथमिक बालक एवं कन्या शाला में शासन के निर्देशानुसार बच्चों को हाथ धोने तथा पेयजल हेतु हैंड वॉश स्टैंड बनाए गए हैं। जिसकी मोटर हैंडपंप में डाली तो गई मगर विद्युत कनेक्शन नहीं होने से पानी की परेशानी के समाचार माहीं की गूंज में प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद प्रशासन ने ठेकेदार से मोटर कनेक्शन जोड़ने तथा जल प्रदाय हेतु निर्देश के बाद अब बच्चों को जल मिलने लगा है।

हमारे संवाददाता के अनुसार शासन की मंशानुसार प्रत्येक छोटे बड़े स्कूलों में बच्चों के हाथ धोने तथा स्वच्छ पीने के पानी हेतु स्टैंड बनाए गए। पीएचई विभाग द्वारा ठेकेदारों के माध्यम से शालाओं में हैंड वॉश स्टैंड का निर्माण कराया गया। हालांकि इसके निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। निर्माण के पूर्व तथा निर्माण के समय पालक शिक्षक संघ को जानकारी नहीं दी जाकर ठेकेदारों ने अपने स्तर से मनमाने तरीके से जहां समझ में आया वहां स्टैंड बना दिए। आम्बुआ में बालक तथा कन्या प्राथमिक स्कूल में भी स्टैंड बना कर हैंडपंप में मोटर डाली गई तथा उसको विद्युत कनेक्शन से नहीं जोड़ा जाने के कारण शाला में पानी की समस्या आ गई। जिसका विस्तृत समाचार माहीं की गूंज में प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया। जिसके बाद लगभग एक पखवाड़े (15 दिनों) बाद पीएचई विभाग द्वारा संबंधित ठेकेदार को निर्देशित कर हैंडपंप में डाली गई मोटर को विद्युत लाइन से जोड़ा जाकर जल प्रदाय प्रारंभ किया जाने से अब बच्चों को हाथ धोने तथा पीने का पानी मिलने लगा है। जिससे बच्चों तथा शिक्षक शिक्षिका एवं मध्यान भोजन बनाने वाले समूह में हर्ष है। सभी ने माहीं की गूंज को धन्यवाद दिया। इसी के साथ-साथ पानी की जांच भी पीएचई विभाग द्वारा की गई जिसमें पानी अच्छा बताया गया है, जिससे पानी खराब होने की आशंका भी समाप्त हो गई।

फिर लगा जाम, फंसी एंबुलेंस, आमजन परेशान

माही की गूंज, आम्बुआ।

बस स्टैंड क्षेत्र में आए दिन लगने वाले चक्का जाम से निजात मिलती नजर नहीं आ रही है। क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन फैलता जा रहा अस्थाई अतिक्रमण तथा सड़क किनारे इधर-उधर खड़े कर दिए जा रहे दोपहिया वाहन इसकी वजह बन रहे हैं। बस स्टैंड पर यातायात पुलिस की कमी ऐसे मौके पर खलती है।

आम्बुआ मुर्गी बाजा क्षेत्र में स्थित अस्थाई सड़क पर बना बस स्टैंड दिन-प्रतिदिन सिकुड़ता जा रहा है। सड़क किनारे स्थाई-अस्थाई लगने वाली दुकानों, ठेलागाड़ियों तथा सड़क किनारे कहीं भी दो पहिया तीन पहिया वाहनों को खड़े कर देने से स्थान कम हो जाता है जिस कारण आमने-सामने से आते-जाते वाहन नहीं निकल पाते हैं। नतीजन यहां लगभग प्रतिदिन जाम की स्थिति नजर आ जाएगी। इस अघोषित चक्का जाम ने कई जननी एक्सप्रेस तथा एंबुलेंस वाहन फंस चुके हैं यदि इन वाहनों में कोई गंभीर मरीज दुर्घटनाग्रस्त घायल और प्रसव (डिलेवरी) हेतु कोई महिला हो, तब क्या स्तिथि होगी यह समय बताएगा। 9 मार्च को भी ऐसे ही जाम में एक बार फिर एंबुलेंस फस गई जो की कड़ी मशक्कत के बाद आगे जा सकी। बस स्टैंड पर स्थाई रुप से सुबह से लेकर शाम तक यातायात पुलिस की जरुरत महसूस की जा रही है। प्रशासन इस और अतिशीघ्र ध्यान दें ऐसी यहां के नागरिको तथा वाहन चालकों की मांग बनी हुई है।

वालपुर भगोरिया में युवती से छेड़छाड़ करने वाले मुख्य आरोपियों सहित 15 गिरफ्तार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

वालपुर भगोरिया में युवती के साथ कथित छेड-छाड मामले का वीडियो वायरल होने पर अलीराजपुर पुलिस ने पूरे मामले को स्वतः संज्ञान में लेते हुए 5 टीमे बनाई। उक्त टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर खोजबीन करते हुए दबीश देते हुए उक्त पूरे घटनाक्रम से जुडे मुख्य आरोपियों सहित सभी 15 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने पुलिस कंट्रोल रूम अलीराजपुर में प्रेस कॉन्फ्रेस में देते हुए पूरे घटनाक्रम एवं आरोपियों को पकडने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, 12 मार्च को दोपहर करीबन 2 बजे के लगभग सोशल मीडिया पर छेडखानी से संबंधित एक वीडियो वयरल हो रहा था। जिसे अलीराजपुर पुलिस के द्वारा तत्परता से स्वतः संज्ञान में लेते हुए उक्त वीडियो के संबंध में जानकारी के लिए तकनीकी टीम एवं अन्य माध्यम से वीडियो के स्थान की पतारसी का गंभीरता से प्रयास किया। जिसके परिणाम स्वरूप करीबन 5 बजे के लगभग ज्ञात हुआ किए उक्त वयरल वीडियो थाना सोण्डवा के वालपुर भगोरिया स्थान का है। उक्त वायरल वीडियों के संबंध में कोई भी पीडित पक्ष या अन्य के द्वारा घटना के संबंध में थाने पर रिपार्ट दर्ज नहीं कराई गई। अलीराजपुर पुलिस के द्वारा वायरल वीडियो स्वतः ही संज्ञान में लेकर अज्ञात

चार आरोपियो पर रासुका भेजा उज्जैन जेल

आरोपियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई एवं घटना को अत्यन्त ही गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर की निगरानी में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अलीराजपुर सुश्री श्रद्धा सोनकर के नेतृत्व में आरोपियों की पतारसी एवं धरपकड हेतु थाना सोण्डवा एवं थाना अलीराजपुर से 5 टीमों का गठन किया गया। 13 मार्च को अलग-अलग स्थानों से आरोपियों को दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी नन्हे उर्फ नरेंद्र डावर पिता सोमला डावर (25) जाति भील निवासी गनपुर थाना मनावर, विशाल पिता कियादिया अलावा (18) जाति भील निवासी बायडी फलिया गनपुर थाना मनावर, दिलीप पिता बुधा वास्केल (30) जाति भील निवासी गनपुर थाना मनावर एवं मुन्ना पिता मांगीलाल जाति भील (30) निवासी सिरसी पुनवार्स थाना मनावर तथा इस पूरे घटनाक्रम के अन्य आरोपी लालू पिता सौदान अजनारे जाति भील (20) निवासी सिरसी गत्तेवादी फलिया थाना मनावर, महेश पिता शंकर (19) निवासी घटिया बायडी फलिये सिरसी थाना मनावर, सुनील पिता सिलदार डावर जाति भील (32) निवासी सिरसी थाना मनावर, राहुल पिता शंकर भील (22) जाति भील निवासी सिरसी गनपुर थाना मनावर, लल्लन पिता साव दान भील जाति भील (20) निवासी सिरसी गनपुर थाना मनावर, कालू पिता हीरालाल भील जाति भील (24) निवासी सिरसी गनपुर थाना मनावर, राकेश पिता कालू भील जाति भील (23) निवासी सिरसी गनपुर थाना मनावर, अर्जुन पिता उदा डावर (20) जाति भील निवासी सिरसी गनपुर थाना मनावर, पाताल सिंह पिता ज्ञान सिंह (24) जाति भिलाला निवासी गिराला थाना नानपुर, मुकेश चैहान पिता वालसिंह (19) जाति भिलाला निवास गिराला नानपुर एवं सुनील पिता रुमालग सिंह चैहान (18) जाति भिलाला निवासी गिराला नानपुर है। उक्त आरोपियों पर आईपीसी की धारा 354 ए 354 एवं 34 तथा आईटी एक्ट की अन्य धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। मुख्य चार आरोपियो पर रासुका के तहत कार्यवाही कर आरोपियो को न्यायालय में पेश किया गया, जहा से मुख्य आरोपियो को उज्जैन जेल भेजा गया।

मजदूरों की मजदूरी और पलायन की आवाज विधानसभा में गूंजी

विधायक पटेल ने मनरेगा में अनियमितताओं का मुद्दा उठाया

माही की गूंज, अलीराजपुर

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत जिले में व्याप्त अनियमितताओं और मनमानी के खिलाफअलीराजपुर के विधायक मुकेश पटेल ने विधानसभा के बजट सत्र में आवाज उठाई। विधायक पटेल द्वारा मजदूरों को पर्याप्त काम नहीं मिलने, मजदूरी भुगतान और पलायन के संबंध में विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्न मुखरता के साथ प्रस्तुत किया। जिसके जवाब में सरकार संतुष्टिप्रद जवाब नहीं दे पाई।

विधायक पटेल ने उठाए ये सवाल

विधानसभा में विधायक श्री पटेल ने मप्र सरकार के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री से सवाल किया कि, अलीराजपुर जिले में वित्तीय वर्ष 2021-22 में अभी तक कितने जॉबकार्डधारी परिवारों द्वारा मनरेगा में कार्य की मांग की गई...? उक्त अवधि में कितने जॉबकार्डधारी परिवारों को मनरेगा में काम मिला और कितने को नहीं मिला...? मनरेगा में जॉबकार्डधारी परिवारों द्वारा काम मांगने के बावजूद उन्हें काम न दिए जाने का क्या कारण है...? क्या सरकार भविष्य में मनरेगा में जॉबकार्डधारी परिवारों को काम दिया जाना सुनिश्चित करेगी...?

मंत्रीजी का जवाब-

विधायक पटेल के इन सवालो के जवाब में पंचायत मंत्री महेन्द्रसिंह सिसौदिया ने विधानसभा में बताया कि, अलीराजपुर जिले में वित्तीय वर्ष 2021-22 से प्रश्न दिनांक तक 1 लाख 7 हजार 138 जॉबकार्डधारी परिवारों द्वारा मनरेगा में कार्य की मांग की गई। उक्त अवधि में कार्यस्थल पर उपस्थित 83 हजार 760 परिवारों को कार्य उपलब्ध कराया गया, शेष जॉबकार्डधारी परिवार कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं हुए इसलिए शेष प्रश्नांश उत्पन्न नहीं होता।

मजदूरों की स्थिति बेहद दयनीय, बड़ी संख्या में होता है पलायन

विधायक मुकेश पटेल ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि, अलीराजपुर जिले में गरीब आदिवासी मजदूरों की स्थिति बेहद दयनीय है, प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में मजदूर प्रदेश के बडे शहरो व जिलों सहित गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित अन्य प्रदेशों में जाते है। इसमें सबसे ज्यादा मजदूर गुजरात की और रूख करते है, इसकी जानकारी जिला प्रशासन और शासन को भी है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान इन मजदूरों को मतदान के लिए वापस जिले में लाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा गुजरात के विभिन्न जिलों के कलेक्टरों से भी संपर्क किया जाता है और सूची बनाकर इन जिलो से मजदूरों को बुलवाया जाता है। जो कि पलायन का पुख्ता प्रमाण है।

पालकों के जन सहयोग से ज्ञान दूत, कंप्यूटर सेंटर का कलेक्टर ने किया शुभारंभ

माही की गूंज, आम्बुआ।

बोरझाड़ ग्रामीण अंचल की माध्यमिक शाला मोटाउमर जनशिक्षा केन्द्र बोरझाड जनपद शिक्षा केन्द्र उदयगढ़ में पालको ने जनसहयोग से 5 कम्प्यूटर इंस्टॉल कर कम्प्यूटर कक्ष का शुभारंभ कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जानकी यादव ,जोबट एसडीएम देवकी नंदन सिंह, डीपीसी डॉ. एमके द्विवेदी, एपीसी अविनाश वाघेला, जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारी उदयगढ़ पवन शाह, नायब तहसीलदार सरिता, खंड शिक्षा अधिकारी गिरधर ठाकरे, खंड स्रोत समन्वयक राम सिंह सोलंकी, प्रभारी प्राचार्य सरदार बघेल, जन शिक्षक दशम सिंह चौहान, जन शिक्षक आसिफशेख, शाला प्रभारी शक्ररु बघेल, स्टाफकुंवर सिंह भिंडे, कलम सिंह चौहान एवं अतिथि शिक्षक श्रीमती इंदिरा चौहान एवं सरपंच प्रतिनिधि गणपत चौहान, कुशल चौहान व ग्रामीण का सहयोग रहा।

आज अन्तिम भगोरिया की रहेगी धूम

माही की गूंज, पारा

भगोरिया पर्व के सप्ताह की शुरुआत शुक्रवार से हुई थी, पुरा सप्ताह भर जिले में उत्साह पूर्वक भगोरिया मनाया गया। आज का अंतिम भगोरिया ग्राम पारा में बड़े हर्ष और उल्लास के साथ बडी धूम धाम से मादल की थाप के साथ मनाया जायेगा। पारा व पारा से लगे करीब 30 से 40 गांव के आदिवासी समाज के लोग परम्परागत भगोरिया हाट मे शामिल होंगे। ग्राम मे प्रातः से भीड़ लगने लगेगी और आदिवासी भाई-बहन झूला, चकरी, बर्फ़गोला, पान बीडा, का लूप्त् उठाएगें।

फाईल फोटो

गुरु भक्तों ने मनाया जन्मोत्सव

माही की गूंज, पारा

श्री रामशरणम् समिति पारा के समस्त साधकों ने परम पूज्य गुरुदेव श्रीमंत् डॉक्टर विश्वामित्र महाराज का जन्मोत्सव मनाया। श्री रामशरणम् पारा के साधकों ने श्री अमृतवाणी पाठ, भजन व पुष्पांजलि कर परम पूजनीय गुरुदेव का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया। गुरुदेव हमेशा साधारण जीवन यापन करते थे और सभी गुरु भक्त गुरुदेव के बताएं नियम अनुसार राम नाम, जाप कर नैया पार हो जाती है इसी तरह से वनवासी भाई-बहनों सभी साधकों ने दौलतपुरा, नवापाड़ा, रातीमाली साधकों के निजीनिवास स्थान पर श्री अमृतवाणी पाठ कर श्रीमंत डॉक्टर विश्वामित्र महाराज सा का जन्म उत्सव मनाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422